सूर्योदय दि. 02-10-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1° न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

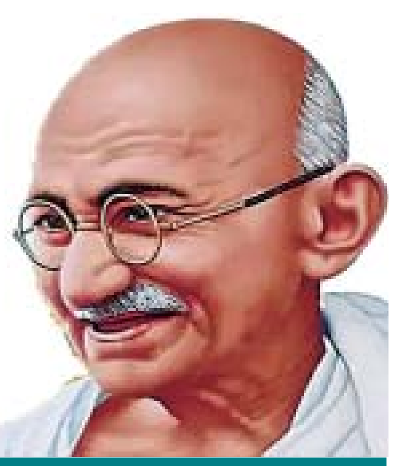

महात्मा गांधी स्वतंत्र भारत के पिता... पृष्ठ-7

वर्ष : 06 अंक : 182 | नई दिल्ली, शनिवार 02 अक्टूबर-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

प्रधानमंत्री मोदी का देश को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त बनाने का आह्वान

देश में पिछले छह सात साल के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने का काम चल रहा है : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

विजय कुमार.ओपन सर्च

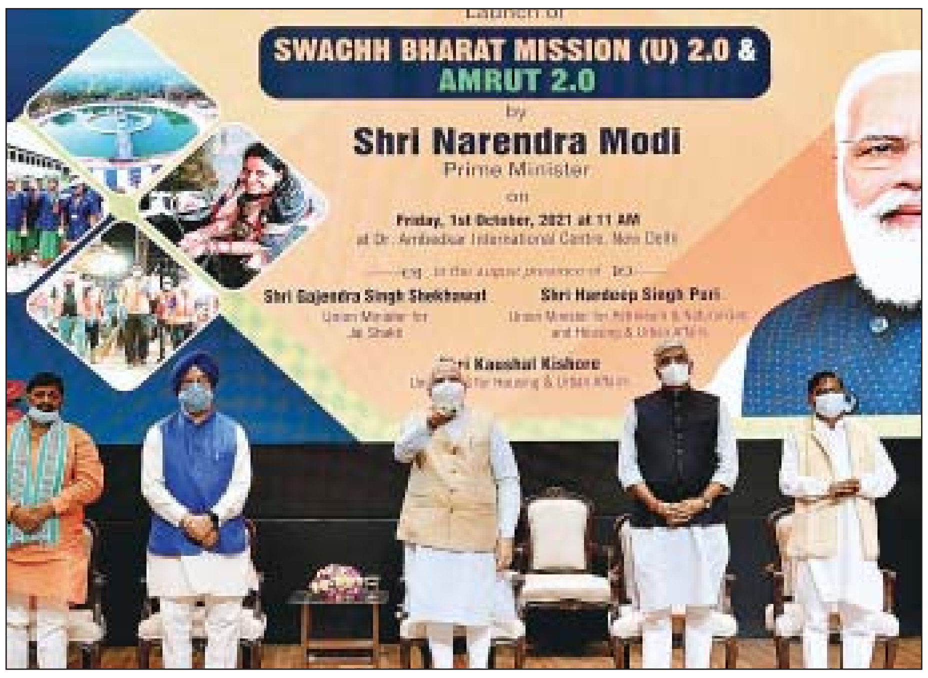

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देशवासियों का आह्वान किया कि देश को खुले में शौच की प्रथा से मुक्त कराने के बाद शहरों को पूरी तरह से कूड़े कचरे से मुक्त बनाना है।

श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां स्वच्छ भारत मिशन शहरी और अमृत योजना के दूसरे चरण की शुरूआत करते हुए सभी राज्यों और शहरी निकायों से कहा कि वे देश में बने कूड़े के सभी पहाड़ों को हटाने के लिए स्वच्छता महाभियान चलायें।

उन्होंने कहा कि देशवासियों ने वर्ष 2014 में समूचे देश को खुले में शौच की प्रथा से मुक्त कराने का संकल्प लिया था और दस करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर यह संकल्प पूरा किया गया। स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के तहत अब कचरे के ढेर से पूरी तरह मुक्त शहर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा , ÷ मिशन अमृत के अगले चरण में देश का लक्ष्य सीवेज और सेप्टिक मैनेजमेंट बढ़ाना, अपने शहरों को जल सुरक्षा से परिपूर्ण बनाना और ये सुनिश्चित करना है कि हमारी नदियों में कहीं पर भी कोई गंदा नाला न गिरे।÷ प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद आवास एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी से कहा कि दिल्ली में भी कूड़े के कुछ पहाड़ हैं जिनका ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷ स्वच्छ भारत अभियान और अमृत मिशन की अब तक की यात्रा वाकई हर देशवासी को गर्व से भर देने वाली है। इसमें मिशन भी है, मान भी है, मर्यादा भी है, एक देश की महत्वाकांक्षा भी है और मातृभूमि के लिए अप्रतिम प्रेम भी है। प्रधानमंत्री ने स्वच्छता को जीवन शैली और जीवन का मंत्र करार देते हुए आज कहा कि यह पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाला अभियान है जिसके बल पर देशवासियों को ऐसे स्वच्छ तथा समृद्ध भारत के निर्माण का संकल्प लेना है जो दुनिया के लिए सतत जीवन की प्रेरणा बन सके।

प्रधानमंत्री ने स्वच्छता को जीवन शैली करार देते हुए कहा , ÷ हमें ये याद रखना है कि स्वच्छता, एक दिन का, एक पखवाड़े का, एक साल का या कुछ लोगों का ही काम है, ऐसा नहीं है। स्वच्छता हर किसी का, हर दिन, हर पखवाड़े, हर साल, पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाला महाअभियान है। स्वच्छता जीवनशैली है, स्वच्छता जीवन मंत्र है।

उन्होंने समाज के गरीब तबके विशेष रूप से रेहड़ी पटरी वालों के लिए चलायी जा रही प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को सफल बनाने के लिए भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करें जिससे इनके जीवन को खुशहाल बनाया जा सके।

कोरोना से जान गंवाने वाले परिवारों को मिलने वाली आर्थिक सहायता में हो रही परेशानी से अरविंद केजरीवाल नाराज

सीएम का अधिकारियों को घर जाकर मदद पहुंचाने के आदेश

सीएम अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री परिवार आर्थिक सहायता योजना को लेकर शुक्रवार को सचिवालय में बुलाई थी बैठक

कोरोना से मौत मामले में डेथ सर्टिफिकेट और सर्वाइविंग मेंबर सर्टिफिकेट की कोई आवश्यकता नहीं है, एमएचए की सूची से नाम सत्यापित कर तत्काल राशि वितरित की जाए : अरविंद केजरीवाल

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना से जान गंवाने वाले परिवारों को सरकारी सहायता मिलने में आ रही समस्या को लेकर अधिकारियों से नाराजगी जाहिर की। वह पीड़ितों को सरकारी दफ्तर बुलाने और विभिन्न तरह के दस्तावेज मांगने से बेहद खफा थे। उन्होंने कोरोना से हुई मौत पर डेथ सर्टिफिकेट और सर्वाइविंग मेंबर सर्टिफिकेट की आवश्यकता को सिरे से खारिज किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किया कि कोरोना से हुई मौत को सत्यापित करने के लिए गृह मंत्रालय से जारी सूची पर्याप्त है। इसके लिए किसी भी अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि गृह मंत्रालय की लिस्ट से मृतकों का नाम सत्यापित कर तत्काल सहायता राशि का वितरित करें। बुधवार तक हर हाल में घर जाकर सभी पीड़ितों को इस राशि का वितरण कर दें। इस संबंध में बुधवार को फिर समीक्षा बैठक की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को साफ कहा कि हमारी व्यवस्था इस तरह होनी चाहिए कि अधिकारी पीड़ित के घर जाएं और सत्यापन के बाद वहीं उनके बैंक खाते में सहायता राशि का तत्काल ट्रांसफर कर दें। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री परिवार आर्थिक सहायता योजना की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम, मुख्य सचिव विजय देव और सभी जिलाधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा बैठक के दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने योजना के तहत जनता को आ रही समस्या पर अधिकारियों को आइना दिखाने के लिए बैठक में एक पीड़ित को बुलाया और आपबीती कहने को कहा। पीड़ित ने बताया कि मेरे पिता की कोरोना से मौत पर एक शिक्षक ने मेरे घर आकर फार्म भरवाया और सत्यापन करने का लेटर भी दिया।

दिग्विजय ने मुंद्रा पोर्ट पर हेरोइन पकड़ने के मामले की जांच उच्चत्तम न्यायालय के जज से कराने की मांग की

जयपुर.ओपन सर्च

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर हेरोइन पकड़ने के मामले की जांच राष्ट्रीय

जांच एजेंसी (एनआईए) की जगह उच्चत्तम न्यायालय के जज से कराने की मांग की है। श्री सिंह ने आज यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में यह मांग की। उन्होंने कहा कि मुंद्रा पोर्ट पर मिली हेरोइन के मामले की जांच एनआईए से कराने की जगह उच्चत्तम न्यायालय के न्यायाधीश से कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एनआईए पर भरोसा नहीं रहा हैं। इसलिए उच्चतम न्यायालय की निगरानी में इस मामले की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान और ईरान होते हुए 21 हजार करोड़ की हेराइन आई। उससे पहले भी एक लाख 75 हज़ार करोड़ का ड्रग आया। देश मे हेरोइन का यह अवैध कारोबार पांच से दस लाख करोड़ का भी हो सकता है। उन्होंने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी शासन में राजनीतिक विरोधियों पर ईडी और आईटी के छापे पड़ रहे है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या ड्रग पैडलिंग के मामलों में भाजपा नेताओं की भागीदारी से जुड़े मामलों में इन नेताओं के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई होगी। उन्होंने ड्रग पैडिलिंग को आतंकवादियों से भी खतरनाक बताते हुए कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दायित्व ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई का होना चाहिए।

शहर का गला घोंट दिया, अब अंदर घुसना चाहते हैं : सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि जब एक बार आपने कृषि कानूनों को अदालत में चुनौती दे दी तो आंदोलन जारी रखने का क्या औचित्य

नई दिल्ली.एजेंसी

आपने शहर का गला घोंट दिया और अब इसके अंदर घुसना चाहते हैं? उच्चतम न्यायालय ने ऐसी कई सख्त टिप्पणियां कृषि कानूनों को लेकर चल रहे किसान आंदोलनों के संदर्भ में एक याचिका की सुनवायी के दौरान शुक्रवार को की। न्यायामूर्ति ए एम खनविलकर और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की पीठ ने राजस्थान के किसानों के एक संगठन 'किसान महापंचायत' की जंतर-मंतर पर सत्याग्रह की अनुमति देने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवायी करते हुए ये सख्त टिप्पणी की।

अदालत ने कहा, आप पहले ही शहर का गला घोंट चुके हैं, राजमार्गों और सड़कों को जाम कर दिया और अब शहर के अंदर घुसना चाहते हैं। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि जब एक बार आपने कृषि कानूनों को अदालत में चुनौती दे दी तो आंदोलन जारी रखने का क्या औचित्य है। यदि आपको न्यायपालिका पर विश्वास है तो आप शीघ्र सुनवायी के लिए कानूनी विकल्पों को अपना सकते हैं। अदालत ने याचिकाकर्ता को नसीहत देने हुए कहा कि आप प्रदर्शन के साथ-साथ अदालत में उस मुद्दे को नहीं उठा सकते। ऐसा कर आप क्या न्यायपालिका व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे है? अदालत ने सवालिया लहजे में कहा कि क्या शहर में धरने से यहां के लोग खुश होंगे। क्या शहर के लोग अपना कामधंधा बंद कर दें। सड़कों को जाम किये जाने से आम लोगों ही, नहीं सुरक्षाकर्मी भी परेशान हैं। ऐसे में क्या उनके अधिकारों का हनन नहीं हो रहा। उच्चतम न्यायालय ने हालांकि स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता का धरना, प्रदर्शन, विरोध करने का अधिकार है, लेकिन संपत्ति का नुकसान करने का कोई अधिकार किसी के पास नहीं है। शीर्ष अदालत में याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अजय चौधरी ने राजमार्गों को बंद करने में आंदोलनकारियों की किसी भूमिका से साफ इनकार किया और कहा कि यह (याचिका दाखिल करना) किसी विरोध का हिस्सा नहीं है। पुलिस राजमार्गों को बंद कर रही है, किसान ऐसा नहीं कर रहे। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ता के वकील से इन तथ्यों को हलफनामे के रुप में अदालत में दाखिल करने को कहा।

कोरोना के नये मामले बढ़े,सक्रिय मामले घटे

नई दिल्ली.एजेंसी

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के नये मामलों में तेजी आयी है हालांकि इसकी तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक रही जिससे सक्रिय मामलों के घटने का क्रम भी जारी है। इस बीच देश में गुरुवार को 64 लाख 40 हजार 451 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये और अब तक 89 करोड़ 02 लाख आठ हजार सात लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 26,727 नये मामलों की पुष्टि की गयी, जिससे संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 38 लाख 26 हजार 607 हो गया है। इसी दौरान 28,246 और मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर तीन करोड़ 30 लाख 43 हजार 144 हो गयी है।

मोदी भी सुलझाना चाहते हैं किसानों का मुद्दा : चन्नी

नई दिल्ली.ओपन सर्च

पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कहा कि उन्होंने इस बैठक में किसानों के आंदोलन का मुद्दा उठाया और उनकी समस्या का समाधान करने का आग्रह किया है।

श्री चन्नी ने प्रधानमंत्री निवास पर श्री मोदी से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा कि उन्होंने किसानों का आंदोलन खत्म करने और इसके लिए किसानों से बातचीत करने का प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से तीनों कृषि संबंधी कानून वापस लेने की भी मांग की है।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने कहा है कि प्रधानमंत्री भी खुद किसानों का मुद्दा सुलझाना चाहते हैं इसलिए उन्हें भरोसा है कि इस बैठक के दौरान किसानों के हित को लेकर उन्होंने जो भी मांग श्री मोदी से की है उन पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा और जल्द ही लम्बे समय से आंदोलन कर रहे किसानों को राहत मिलेगी। इसके अलावा जैविक खेती को लेकर भी उन्होंने श्री मोदी से बातचीत की है।

उन्होंने कहा कि इस आंदोलन से पंजाब की अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब ने देश के लिए बहुत बलिदान किया है इसलिए राज्य को पर्याप्त केंद्र से मिलनी चाहिए।

श्री चन्नी ने कहा कि इस दौरान उन्होंने श्री मोदी से भारत-पाकिस्तान करतारपुर कोरिडोर शीघ्र खुलवाने का भी आग्रह किया है ताकि श्रद्धालु पाकिस्तान में स्थित करतारपुर साहिब के दर्शन के लिए जा सकें। यह कोरिडोर कोविड-19 महामारी के कारण बंद है।

उनका कहना था कि इस बैठक के दौरान बहुत अच्छे माहौल में बातचीत हुई है और एक प्रधानमंत्री तथा एक मुख्यमंत्री के बीच वार्ता का जो माहौल होना चाहिए उसके अनुरूप

पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी प्रधानमंत्री से तीनों कृषि संबंधी कानून वापस लेने की भी मांग की है

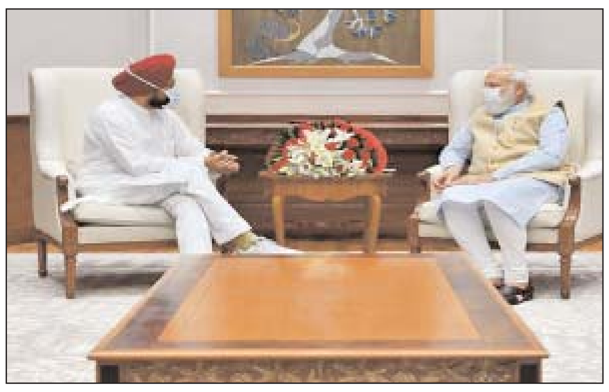

चन्नी ने की पीएम मोदी से मुलाकात, किसानों से वार्ता का किया अनुरोध

पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी आज दिल्ली के दौरे पर हैं। चन्नी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की।

मुलाकात के बाद चन्नी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से पंजाब में धान की खरीद तुरंत शुरू करवाने की मांग की है। प्रधानमंत्री से आंदोलनकारी किसानों से भी बातचीत शुरू करने और तीन कृषि कानूनों के विवाद को हल करने का अनुरोध किया। चन्नी ने कोविड के कारण बंद करतारपुर कारिडोर को भी खोलने की पीएम से मांग की। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात है। यह शिष्टाचार मुलाकात है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का दिल्ली दौरा पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के बाद हुआ है।

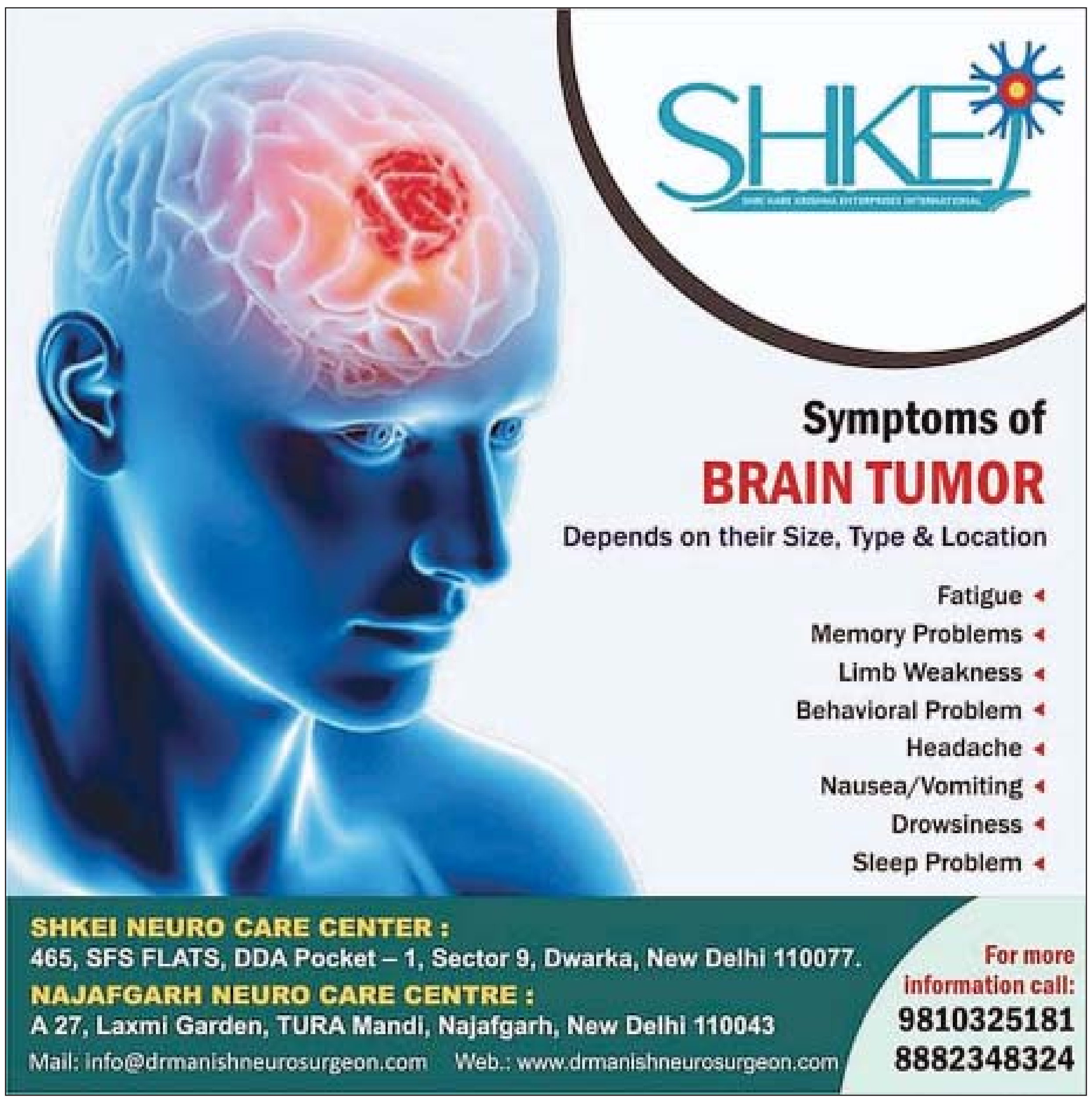

सीएम योगी ने चयनित नायब तहसीलदारों को दिया नियुक्ति पत्र, कहा- अब जाति व क्षेत्र देखकर नहीं होती भर्ती

उत्तर प्रदेश में लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा चयनित 110 नायब तहसीलदारों को शुक्रवार को लखनऊ में नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में चयनित नायब तहसीलदारों में से 15 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नियुक्ति पत्र दिया।

लखनऊ.एजेंसी
उत्तर प्रदेश में लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा चयनित 110 नायब तहसीलदारों को शुक्रवार को लखनऊ में नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में चयनित नायब तहसीलदारों में से 15 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नियुक्ति पत्र दिया। उन्होंने चयनित युवाओं से कहा कि जिस प्रकार से चयन प्रक्रिया में ईमानदारी से योग्यता को आधार बनाया गया है उसी प्रकार से आपसे अपेक्षा है ऐसी ही ईमानदारी, स्वच्छ और पारदर्शी तरीके से कार्य करें। इससे प्रदेश की जनता के जीवन में खुशहाली आएगी। सीएम योगी ने नवनियुक्त नायब तहसीलदारों को नियुक्ति पत्र वितरित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 110 नवनियुक्ति नायब तहसीलदारों को उनकी भूमिका को महत्व बताते हुए पूरी ईमानदारी व निष्पक्षता से नौकरी करने की नसीहत दी।

कहा कि बड़े विकास कार्यों में नायब तहसीलदारों की भूमिका बेहद अहम है। सीएम ने कहा कि प्रदेश में पांच एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इनकी समीक्षा के दौरान जब कार्य को और तेज गति से बढ़ने की बात आई तो वरिष्ठ अधिकारियों ने नायब तहसीलदारों की कमी को बड़ी वजह बताया। इसके बाद नायब तहसीलदारों की नियुक्ति का निर्णय लिया गया। कहा कि सरकार ने पूरी पारदर्शिता से भर्ती प्रक्रिया पूरी कराई है। अब शासन की अपेक्षा है कि नवनियुक्त नायब तहसीलदार उसी ईमानदारी से अपना काम करें। निष्पक्षता से राजस्व वादों का निस्तारण कराकर लोगों को राहत पहुंचाएं। मिशन रोजगार के तहत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने के बाद अपने संबोधन में सीएम योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना भी साधा।

कहा कि वर्ष 2017 से पहले व्यवस्था में कुछ खोट था। चयन प्रक्रिया की विसंगतियों के चलते योग्य व प्रतिभाशाली अभ्यर्थी हताश होते थे। आज प्रदेश में चेहरा, जाति, मजहब और क्षेत्र देखकर नियुक्ति नहीं दी जाती है। अब नौकरियों में नियुक्ति का आधार योग्यता है। सरकार आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए प्रतिभावान नौजवान को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में साढ़े चार लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र देकर उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का लाभ ले रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश वही जो वर्ष 2017 से पहले था। तंत्र और संसाधन वही है, लेकिन प्रदेश की छवि अब बदली है। वर्ष 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश के बारे में जो लोगों में धारणा थी कि यहां लोग आने से डरते थे। लोगों को न्याय मिलना यहां कठिन चुनौती थी। आज वही उत्तर प्रदेश वही उत्तर प्रदेश कैसे लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है। आज सरकारी नौकरियों में एक-एक व्यक्ति का चयन पारदर्शी तरीके से हो रहा है। हर व्यक्ति अपनी योग्यता व क्षमता के अनुरूप स्थान प्राप्त कर रहा है। उसे किसी सिफारिश की आवश्यकता नहीं है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने नवनियुक्त नायब तहसीलदारों को सेवा में आगे बढ़ने का मंत्र भी दिया। कहा कि सेवा के पहले चरण में जितनी मेहनत कर लेंगे, आगे राह उतनी आसान होगी। पदोन्नति के उतने रास्ते खुलेंगे। अब यह आप लोगों का तय करना है कि कहां तक जाना चाहते हैं। योगी ने भ्रष्टाचार व गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की बात भी कही। सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग के महत्व को भी बताया। कहा कि गांवों में राजस्व से जुड़े 90 फीसद विवाद छोटे-छोटे हैं, जिन्हें अधिकारी मौके पर जाकर व दोनों पक्षों के बीच सुलह कराकर निस्तारित करा सकते हैं। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में छठे नंबर पर थी, जो अब दूसरे नंबर पर है। इसे पहले पायदान पर पहुंचाना है। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। पूरे तंत्र को मिलकर काम करना होगा। योगी ने कहा कि शासन-प्रशासन ने बेहतर काम किया है।

इसका परिणाम है कि देश की 44 महत्वपूर्ण योजनाओं में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बदली है। देश-विदेश के निवेशकों की प्राथमिकता में अब उत्तर प्रदेश है। राजस्व परिषद के अध्यक्ष मुकुल सिंघल ने बताया कि वर्तमान में राजस्व के करीब 15 लाख मुकदमे लंबित हैं। नवनियुक्त नायब तहसीलदारों से यह मुकदमे अब तेज गति से निस्तारित हो सकेंगे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव आरके तिवारी, अपर मुख्य सचिव राजस्व मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव, सूचना नवनीत सहगल व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एक नज़र

गर्भपात के दौरान दलित युवती की मौत मामले में चिकित्सक सहित चार गिरफ्तार

महोबा (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के कबरई कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की दलित युवती की गर्भपात के दौरान हुई मौत के मामले में महोबा जिले की पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक चिकित्सक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार दलित युवती से छह माह पूर्व कथित रूप से बलात्कार हुआ था जिसके बाद वह गर्भवती हो गई थी। कबरई थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) दिनेश सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 20 वर्षीय दलित युवती की हमीरपुर जिले के मौदहा कस्बे के एक निजी अस्पताल में गर्भपात के दौरान मंगलवार शाम मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में बुधवार को कबरई थाने में मुख्य आरोपी शैलेन्द्र सिंह के खिलाफ बलात्कार करने, उसके पिता रामनारायण, चाचा शिवनारायण पर जबरन गर्भपात कराने और निजी अस्पताल के चिकित्सक पर दलित युवती का गर्भपात करने का मामला दर्ज किया गया है।

एसएचओ ने बताया कि बृहस्पतिवार की शाम आरोपी शैलेन्द्र, उसके पिता रामनारायण सिंह, चाचा शिवनारायण और निजी अस्पताल के चिकित्सक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिंह ने बताया कि छह माह पूर्व दलित युवती से उस समय बलात्कार हुआ था जब वह अकेले खेत में काम कर रही थी, लेकिन तब घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी गयी थी। उन्होंने बताया कि 25 सितंबर को अचानक रक्तस्राव होने पर युवती के परिजनों को उससे बलात्कार होने और उसके गर्भवती होने की जानकारी हुई। इसके बाद आरोपी के पिता व चाचा उसे हमीरपुर जिले में मौदहा कस्बे के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां गर्भपात के दौरान दलित युवती की मौत हो गयी।

उज्बेकिस्तान की दो महिलायें भारत-नेपाल सीमा पर गिरफ्तार

महाराजगंज (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के महाराजगंज में उज्बेकिस्तान की दो महिलाओं को बिना वैध वीजा और पासपोर्ट के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र से देश में घुसने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि उज्बेकिस्तान की रहने वाली रूहशोना सुवोनावक और इमिनोवा मबलूदा हौन बृहस्पतिवार शाम सोनौली इलाके में घूम रही थीं, तभी उन्हें पुलिस ने नियमित जांच के लिए रोका। सोनौली कोतवाली के इंस्पेक्टर शशांक शेखर राय ने बताया कि दोनों काठमांडू (नेपाल) से भारत आयी थीं।

दोनों को सोनौली (बगवानपुर) इलाके में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया क्योंकि उनके पास वीजा और पासपोर्ट नहीं थे। सोनौली भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है। राय ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है और खुफिया एजेंसियों को मामले की सूचना दे दी गई है।

यूपीः जेलों में बंद कैदियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल अब अपराध

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश सरकार ने अब जेलों के अंदर कैदियों द्वारा मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध बना दिया है। नियम का उल्लंघन करने पर अपराधियों को तीन से पांच साल के कठोर कारावास और 20,000-50,000 रुपये के जुर्माने का सामना करना पड़ेगा।

गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदेश की सभी जेलों में कैदी अनुशासन के लिए कारागार अधिनियम-1894 के प्रावधानों में संशोधन कर नया नियम लागू किया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, अगर राज्य की जेलों में कोई भी कैदी जेल परिसर के अंदर या बाहर किसी भी प्रकार के वायरलेस संचार उपकरण का उपयोग करते हुए पाया जाता है, तो दोषी मिलने पर उसे तीन से पांच साल के कठोर कारावास और 20,000-50,000 रुपये तक के जुर्माने से दंडित किया जा सकता है।

इस नियम के साथ, मोबाइल फोन, वाईफाई, ब्लूटूथ, नियर फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी), टैबलेट, पर्सनल कंप्यूटर, लैपटॉप, पामटॉप, इंटरनेट, जीपीआरएस, ई-मेल, एमएमएस, या कोई अन्य डिवाइस जैसे मोबाइल सिम का उपयोग किसी भी तरह से जेल परिसर के अंदर या बाहर कैदियों द्वारा नहीं किया जा सकता है।

उप्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मुजफ्फरनगर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के काकरोली थाना क्षेत्र के चोरावाला गांव में 30 वर्षीय एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि उसके परिवार ने आरोप लगाया है कि सोनू को उसके ससुराल वालों ने कोई जहरीला पदार्थ खिला दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई।

सोनू अपनी पत्नी को लेने बृहस्पतिवार को अपने ससुराल गया था। थाना अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। सोनू के परिवार में पत्नी और चार बच्चे हैं। सोनू से झगड़े के बाद उसकी पत्नी अपने माता-पिता के घर पर रह रही थी।

फतेहपुर में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, दो घायल

फतेहपुर (एजेंसी) फतेहपुर जिले की खागा कोतवाली क्षेत्र के खागा-किशनपुर मार्ग पर सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गयी और एक महिला तथा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। खागा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संतोष कुमार शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि बृहस्पतिवार देर शाम को खागा-किशनपुर मार्ग में त्रिलोचनपुर गांव के नजदीक दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में नया पुरवा गांव के रहने वाले सुनील यादव (35) की मौके पर मौत हो गयी, जबकि दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार टेसाही बुजुर्ग गांव के छोटे प्रकाश (32) की इलाज के लिए कानपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गयी।

उन्होंने बताया कि हादसे में सुनील यादव की पत्नी कलावती (33) और छोटे प्रकाश के दोस्त गोपी (25) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। एसएचओ ने बताया कि सुनील यादव और छोटे प्रकाश के शवों का पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है।

कानपुर पुलिस ने पकड़ा बड़ा अंतरराज्यीय गैंग, शातिराना तरीके से लूट की घटनाओं को देता था अंजाम

कानपुर (एजेंसी) शहर की सीसामऊ पुलिस और क्राइम ब्रांच ने जरीब चौकी रेलवे क्रासिंग से तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र के रहने वाले एक अन्तरराज्यीय गैंग को गिरफ्तार किया है। जो कि देश के अलग-अलग राज्यों के भीड़भाड़ वाले स्थानों बाजारों में बेहद शातिराना अंदाज में वारदात को अंजाम देते थे। अभियुक्तों से पूछताछ में बीते 20 दिनों के अंदर थाना काकादेव फजलगंज और सीसामऊ क्षेत्र में अंजाम दी गई चार वारदातों का भी खुलासा हुआ है। घात लगाकर गुलेल से कार का शीशा तोड़ना और फिर माल पार कर देना। कुछ इसी अंदाज में वारदात करने वाले नायडू गैंग के पांच सदस्यों को पुलिस ने दबोचा है। ऐसे हुआ राजफाश~ बीते दिनों सीसामऊ थाना क्षेत्र में उन्नाव से आए एक व्यापारी की एक्सयूवी कार का शीशा गुलेल से तोड़कर उससे एक बैग गैंग ने पार कर दिया था। जिसमें एक सोने की चेन व कुछ नकदी दी। तब यह गैंग सीसीटीवी में दिख गया था। तब से पुलिस इनकी तलाश में थी और इन्हें शुक्रवार को जरीब चौकी क्रासिंग के पास से पकड़ लिया गया। 2018 में भी जा चुका है जेल~ पकड़े गए गैंग के सदस्य वेंकटेश 2018 में भी उन्नाव से जेल जा चुका है।

योगी का सख्त आदेश-दागी पुलिस अफसरों को करें बर्खास्त, 10 से 12 बजे तक जनता की शिकायतें सुनें डीएम-एसपी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम-9 की बैठक में शुक्रवार को वरिष्ठ अधिकारियों से पुलिस की शिकायतों को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बीते दिनों कई पुलिस अधिकारियों व कर्मियों के अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने की गंभीर शिकायतें आई हैं। यह कतई स्वीकार नहीं है। पुलिस विभाग में ऐसे लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है। सीएम योगी ने ऐसे दागी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्रमाण समेत सूची भी तलब की है। सभी के विरुद्ध कार्रवाई होगी।

लखनऊ (एजेंसी)
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यशैली को लेकर बेहद गंभीर हैं। शुक्रवार को उन्होंने फिर से इसे लेकर कड़े निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने सख्त लहजे में दोहराया है कि दागी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को बर्खास्त कर विभाग से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

अवैध गतिविधियों में लिप्त भ्रष्ट आचरण के लोगों के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। ऐसे लोगों को चिन्हित कर लिस्ट तैयार की जाए। सभी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी। उन्होंने निर्देश दिया है कि जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व पुलिस अधीक्षक किसी भी दशा में हर दिन सुबह 10 से 12 बजे तक कार्यालयों में उपस्थित रहकर जन समस्याओं और शिकायतों का समाधान करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम-9 की बैठक में शुक्रवार को वरिष्ठ अधिकारियों से पुलिस की शिकायतों को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बीते दिनों कई पुलिस अधिकारियों व कर्मियों के अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने की गंभीर शिकायतें आई हैं।

यह कतई स्वीकार नहीं है। पुलिस विभाग में ऐसे लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है। सीएम योगी ने ऐसे दागी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध प्रमाण समेत सूची भी तलब की है। सभी के विरुद्ध कार्रवाई होगी। कहा है कि गंभीर अपराधों में लिप्त पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को बर्खास्त किया जाए। योगी ने कहा कि दागी छवि वाले लोगों को फील्ड में महत्वपूर्ण पदों पर तैनाती न दी जाए। इसे लेकर किसी भी स्तर पर शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारियों व कर्मियों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त निर्देश दिया है कि जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व पुलिस अधीक्षक किसी भी दशा में हर दिन सुबह 10 से 12 बजे तक कार्यालयों में उपस्थित रहकर जन समस्याओं और शिकायतों का समाधान करें। मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय के साथ-साथ एसीएस होम और डीजीपी स्तर से इस व्यवस्था की लगातार मानीटरिंग की जाए।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा है कि जनता दर्शन से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि कि नौ सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलों में तैनात एएसपी से लेकर दारोगा तक की स्क्रीनिंग कराए जाने के कड़े निर्देश भी दिए थे। इसके लिए डीजी व एडीजी की अगुवाई में दो समितियां गठित की गई हैं। सीएम ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान जिलों में तैनात पुलिस अधिकारियों व थानेदारों की पोस्टिंग को लेकर भी कड़े निर्देश दिए थे। डीजी विजिलेंस की अगुवाई में गठित एसआइटी एएसपी व सीओ की तथा एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार की अगुवाई में गठित एसआइटी निरीक्षक व उपनिरीक्षक की स्क्रीनिंग कर रही हैं। खासकर भ्रष्ट व दागी पुलिसकर्मियों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। माना जा रहा है कि जल्द कई दागी पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की बर्खास्तगी होगी।

मेरठ : उधारी मांगने पर महिला ने दी ऐसी धमकी कि युवक को जाना पड़ गया थाने

मेरठ.एजेंसी। मेरठ में उधारी मांगने पर आरोपित की साली ने युवक को छेड़छाड़ के मुकदमे में फसाने की धमकी दी। जिस वजह से युवक का क्षेत्र में रहना दूभर हो गया। शिकायत पत्र देने के बाद भी थाना पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जिस वजह से युवक ने एसएसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। रेलवे रोड थाना क्षेत्र के मकबरा अब्बू स्थित माता का थान निवासी शोएब पुत्र शकील अहमद ने पड़ोसन नाजमा के कहने पर उसके जीजा अनवर को तीन माह पहले 20 हजार रुपये उधार दिए थे। रुपयों के लेनदेन को लेकर उनमे पूर्व में भी विवाद हो चुका है। दो दिन पहले शोएब उधारी मांगने अनवर के घर गए थे। जहां उसकी कहासुनी अनवर व उसकी पत्नी सायरा से हो गई।इतने में नाजमा भी आ गई।

आरोप है कि अनवर की साली ने उसे छेड़छाड़ के फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी दी है। शिकायत सुन रहे सीओ ऑफिस अमित राय ने रेलवे रोड थाना प्रभारी को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए है। मेरठ में छेड़छाड़ के मामले में भी पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। आरोप है कि धमकी दी जा रही है। शुक्रवार को पीड़िता स्वजन के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंची और कार्रवाई की गुहार लगाई। मेडिकल थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता ने बताया कि पड़ोसी युवक काफी समय से उसे परेशान कर रहा है। पीड़िता के स्वजन में जब आरोपित के परिवार वालों से शिकायत की तो उसने गलती मानते हुए दोबारा से परेशान ना करने की बात कही थी। आरोप है कि उस दिन से युवक फिर से लड़की को परेशान कर रहा है। आते जाते समय उसका पीछा करता है। इस संबंध में पीड़िता ने थाने में भी शिकायत की थी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसकी जानकारी मिलने पर आरोपित युवक धमका रहा है। पीड़िता ने एसएसपी कार्यालय में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। सीओ अमित राय ने थाना पुलिस को कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

प्रेम जाल में फंसाकर दिया शादी का झांसा, फिर निवेश के नाम पर हड़प लिए 10 लाख रुपये; लखनऊ में मुकदमा दर्ज

लखनऊ.एजेंसी। महानगर निवासी एक युवती को प्रेम जाल में फंसाकर 10 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। युवती ने एफआइआर दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। युवती का आरोप है कि आरोपित ने प्रेम जाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया। इसके बाद युवती से अपने परिचित की कंपनी में 10 लाख रुपये निवेश करने पर मुनाफे का लालच दिया।झांसे में आकर पीड़िता ने 10 लाख रुपये निवेश कर दिए।

बाद में रुपये मांगने पर आरोपित टालमटोल करने लगा। दबाव बनाने पर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद जांच की गई। महानगर स्थित भागीरथी एन्क्लेव में रहने वाली इस पीड़िता ने पुलिस को बताया कि अवध विहार योजना के भागीरथी एन्क्लेव निवासी क्षितिज से उसकी दोस्ती थी। क्षितिज ने उसे शादी करने का झांसा दिया। फिर क्षितिज ने अपने दोस्त कल्ली पश्चिम निवासी एजाज अहमद की कम्पनी में 10 लाख रुपये निवेश करा दिए।

आश्वासन दिया कि उसे 10 लाख रुपये के 16 लाख रुपये मिलेंगे। कई महीने बीतने के बाद भी रुपये नहीं दिए। विरोध करने पर उसकी पिटाई की गई। एजाज ने उसके साथ छेड़छाड़ की। पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने एडीसीपी प्राची सिंह से शिकायत की। एडीसीपी ने मामले की जांच के आदेश दिए। थाने पर आरोपियों ने लिखित आश्वासन दिया कि 25 सितंबर तक रुपये लौटा देंगे। 25 सितम्बर निकलने के बाद भी रुपये नहीं मिले तो पीड़िता ने एडीसीपी से फिर शिकायत की।

प्रियंका गांधी यूपी चुनाव को लेकर गंभीर ,अब लखनऊ में रहेगा डेरा, सप्ताहांत जाएंगी दिल्ली

लखनऊ.एजेंसी
उत्तर प्रदेश में अपने मिशन विधानसभा चुनाव-2022 को लेकर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी बहुत ज्यादा गंभीर हैं और इसके लिए उन्होंने अपना मास्टर प्लान भी बना लिया है। उन्होंने तय किया है कि वह अब सोमवार से शुक्रवार तक उत्तर प्रदेश में रहेंगी।

सिर्फ सप्ताहांत यानी शनिवार और रविवार को दिल्ली में रहेंगी। विधानसभा चुनाव को लेकर वह लखनऊ में अधिकांश समय देने के साथ ही प्रदेश का भ्रमण भी करेंगी। कांग्रेस एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि यूपी के लिए बेहद गंभीर हो चुकीं प्रियंका ने अब खुद ही जमीनी हकीकत जानने का फैसला किया है। उन्होंने तय कर लिया है कि अब वह हर हफ्ते में सोमवार से शुक्रवार तक लखनऊ में रहेंगी। इस दौरान वह प्रदेश के किसी अन्य जिले में भी

प्रवास कर सकती है। अब वह सिर्फ शनिवार व रविवार को दिल्ली में अपने परिवार को समय देंगी। कांग्रेस महासचिव ने अब अपना सारा प्लान तैयार कर लिया है। इसी के तहत 10 अक्टूबर को प्रियंका वाराणसी में एक रैली करेंगी। इसके साथ ही प्रदेश भर में 7 अक्टूबर से कांग्रेस की प्रतिज्ञा यात्रा शुरू होगी। प्रतिज्ञा यात्रा प्रदेश में चार अलग-अलग जगह से बस से निकाली जायेगी। यात्रा का समापन नवंबर में लखनऊ में होगा। कांग्रेस ने नवंबर में लखनऊ में एक बड़ी रैली की भी योजना तैयार की है। इस रैली में देश के बड़े नेता भी शामिल होंगे। यह सभी कार्यक्रम प्रियंका के नेतृत्व में ही होंगे। इस बीच, प्रियंका ने अपने प्रवास के चौथे दिन भी कई बैठकें की। उन्होंने निषाद समाज के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और नदी अधिकार यात्रा पर भी बात की। भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी निषाद समाज के खनन, मछली पालन, आरक्षण सहित अनेक मांगों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रियंका ने यूपी कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग के योद्धाओं से संवाद किया।

प्रियंका ने कहा कि सोशल मीडिया के योद्धा पूरी ताकत से भाजपा सरकार के झूठ का पदार्फाश कर रहे हैं और उनकी दमदार व ऊर्जावान उपस्थिति से उप्र में कांग्रेस पार्टी बदलाव की एक महत्वपूर्ण आवाज बनकर उभर रही है। इसके अलावा उन्होंने स्क्रीनिंग कमेटी की भी बैठक में हिस्सा लिया जिसमे संभावित प्रत्याशियों पर चर्चा हुई।

औद्योगिक क्रांति 4.0 के महत्वपूर्ण मुकाम पर हैं एमबीए छात्र

जॉब के लिए क्रिटिकल थिंकिंग, सहयोगी दृष्टिकोण और वैश्विक नेतृत्व की आवश्यकता होगी : शिशिर जयपुरिया

कमलेश पांडेय/ओपन सर्च ब्यूरो

गाजियाबाद। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट गाज़ियाबाद के ओरियंटेशन प्रोग्राम में उद्योग जगत के दिग्गजों की मौजूदगी रही, जिससे छात्रों को बहुत कुछ सीखने को मिला। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, गाजियाबाद ने दो वर्षीय एमबीए और एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) प्रोग्राम में नए एमबीए 2021-23 बैच का स्वागत करते हुए शुक्रवार, को ओरियंटेशन प्रोग्राम शुभारंभ 2021 का आयोजन किया।

ओरियंटेशन प्रोग्राम शुभारंभ 2021 के मौके पर मंचस्थ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन शिशिर जयपुरिया, प्रद्युम्न पांडे, सीएचआरओ, मदर डेयरी; देबरघा देव, एचआर प्रमुख, नॉर्थ जोन, डाबर इंडिया; उन्नी कृष्णन, ग्लोबल मार्केटिंग हेड, कैपजेमिनी इन्वेंट; अमित अरोड़ा, कॉरपोरेट कम्युनिकेशन एवं पीआर प्रमुख, आरईए इंडिया।
छाया : ओपन सर्च

प्रबंधन संस्थान के परिसर में इस आयोजन के दौरान 2021-23 बैच के 240 से अधिक विद्यार्थियों का ओरियंटेशन और इंडक्शन किया गया। इसमें सभी कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया। इस अवसर पर उद्योग जगत के कई दिग्गजों ने अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी किया। इनमें खास तौर से प्रद्युम्न पांडे, सीएचआरओ, मदर डेयरी; देबरघा देव, एचआर प्रमुख, नॉर्थ जोन, डाबर इंडिया; उन्नी कृष्णन, ग्लोबल मार्केटिंग हेड, कैपजेमिनी इन्वेंट; अमित अरोड़ा, कॉरपोरेट कम्युनिकेशन एवं पीआर प्रमुख, आरईए इंडिया के नाम उल्लेखनीय हैं। नए बैच के विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन शिशिर जयपुरिया ने कहा, आप औद्योगिक क्रांति 4.0 के महत्वपूर्ण मुकाम पर एमबीए प्रोग्राम में शामिल हुए हैं। आने वाले समय में जॉब के लिए क्रिटिकल थिंकिंग, रचनात्मकता, सेवा भाव, संवाद कौशल, सहयोगी दृष्टिकोण और वैश्विक नेतृत्व की आवश्यकता होगी। इसलिए संस्थान आपको इनमें दक्ष होने में मदद करेगा। वहीं, उद्योग जगत के दिग्गजों ने उभरते प्रबंधकों के सामने आगे की राह रखी। प्रद्युम्न पांडे ने विद्यार्थियों से नियमित पढ़ने की आदत डालने का आग्रह करते हुए यह मशहूर वाक्य कहा, ÷लीडर्स आर रीडर्स एण्ड रीडर्स आर लीडर्स। जबकि, देबरघा देव ने बेहतर अस्तित्व के लिए कौशल सीखने और कार्य जीवन संतुलन रखने की अपील की, ताकि सफल जीवन का आनंद ले पाएं। वहीं, उन्नी कृष्णन ने विद्यार्थियों से पहले दिन से ही तत्परता के संग योजना बनाने और जमीनी ज्ञान प्राप्त करने का महत्व समझने को प्रेरित किया। अमित अरोड़ा ने समग्र विकास हेतु खुद को समय देने के बारे में कुछ मूल्यवान सुझाव दिए। सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के वरिष्ठ सलाहकार विनोद मल्होत्रा ने जोर देकर कहा कि एक उत्कृष्ट प्रबंधक के साथ-साथ एक अच्छा इंसान होना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ) देविंदर नारंग ने बताया कि संस्थान अब तक विद्यार्थियों को किस तरह सुविधाएं देता रहा है और वर्तमान बैच के विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए कैसे उनका मार्गदर्शन करेगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जयपुरिया अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एमबीए बैच 2017-19 2018-20 और 2019-21 के टॉपर्स को ये पुरस्कार दिए गए। प्रथम रैंक प्राप्त विजेता को 1 लाख रु., द्वितीय रैंक प्राप्त विजेता को 51,000 रुपए और तृतीय रैंक प्राप्त विजेता को 31,000 रु. प्रदान किए गए। दोपहर के भोजन के उपरांत जयपुरिया प्रबंधन संस्थान, इंदिरापुरम, गाजियाबाद के विद्यार्थियों ने नए बैच के एमबीए विद्यार्थियों के साथ बात की। इसके बाद मो स्पीकर एवं ट्रेन मी अकादमी, भारत की संस्थापक निदेशक सुश्री अंजलि दत्त उत्साहवर्धक और परिचय सत्र का संचालन किया। एक अच्छे करियर के लिए एमबीए शुरू करने वाले इन विद्यार्थियों के लिए जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट का ओरियंटेशन प्रोग्राम बहुत लाभदायक था।

दिल्ली में स्मॉग टावर 80 प्रतिशत तक हवा को कर रहा है साफ, प्राथमिक रिपोर्ट में हुआ है खुलासा

केजरीवाल सरकार ने स्मॉग टावर की क्लोज मॉनिटरिंग करने के लिए आज 16 सदस्यीय कमेटी गठित की है : गोपाल राय

विकास सैन.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने शुक्रवार को कनॉट प्लेस स्थित स्मॉग टावर का दौरा किया। इसके बाद केजरीवाल सरकार की तरफ से लगाए गए स्मॉग टावर की प्राथमिक रिपोर्ट आज जारी की गई। जिसमें खुलासा हुआ है कि स्मॉग टावर 80 प्रतिशत तक हवा को साफ कर रहा है।

इस दौरान गोपाल राय ने बताया कि केजरीवाल सरकार ने स्मॉग टावर की क्लोज मॉनिटरिंग करने के लिए आज 16 सदस्यीय कमेटी गठित की है। स्मॉग टावर को लेकर गठित कमेटी तीन-तीन महीने के अंतराल पर कुल तीन रिपोर्ट सरकार को देगी। जिसके आधार पर सरकार दूसरी जगहों पर स्मॉग टावर लगाने का निर्णय लेगी। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को कनॉट प्लेस स्थित स्मॉग टावर का दौरा किया। इस दौरान श्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार की तरफ से पहले स्मॉग टावर का उद्घाटन 23 अगस्त को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किया था। उसके बाद इसका पायलट आधार पर ट्रायल कर रहे थे। अब इसका ट्रायल पूरा हो गया है। यह स्मॉग टावर आज से फुल क्षमता के साथ शुरू कर दिया गया है। इस स्मॉग टावर में लगभग दस हजार फिल्टर लगाए गए हैं जो प्रदूषित हवा को साफ करते हैं। इसमें 40 पंखे लगाए गए हैं और 1 किलोमीटर के आसपास के क्षेत्र की हवा को साफ करते है। यह लगभग पर 1000 घन मीटर प्रति सेकंड के हिसाब से हवा को प्यूरिफई करके वातावरण में छोड़ेगा। जिसे मॉनिटर करने के लिए कई सेंसर्स लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि हवा जो ऊपर से आती है उसमें कितना पीएम 2.5 और पीएम 10 है, यह सेंसर्स बताते हैं। इसके अलावा हवा साफ होने के बाद निकलती है उसमें भी सेंसर लगाए गए हैं। सुबह से अभी तक की रिपोर्ट आयी है। सुबह करीब 8 बजे के आसपास पीएम 2.5 का स्तर 151 था जो प्यूरिफाई होने के बाद 38 हो गया था। इसके अलावा पीएम 10 का स्तर 166 था जो कि प्यूरिफाई होने के बाद 41 हो गया। उसी तरह से अभी दोपहर 12.45 पर पीएम 2.5 का स्तर 60 था जो कि 14 हो गया है और पीएम 10 का स्तर 63 था जो कि 15 हो गया है। श्री गोपाल राय ने बताया कि आज की प्राथमिक रिपोर्ट में सामने आया है कि स्मॉग टावर 80 प्रतिशत तक हवा को साफ कर रहा है। आज 16 सदस्य मॉनिटरिंग कमेटी बनाई गई है। जिसमें 5 सदस्य दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) के होंगे और इसके प्रमुख डॉ. मोहन जॉर्ज होंगे। इसके अलावा आईआईटी बॉम्बे की 5 सदस्यीय टीम होगी, जिसके प्रमुख प्रोफेसर मनमोहन साहू जी लीड करेंगे। एमबीसीसी के 3 सदस्य होंगे, जिनको संजय गुप्ता लीड करेंगे। साथ ही टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड के 3 सदस्य कमेटी में शामिल होंगे, जिसका प्रमुख आशीष अग्रवाल को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह से 16 सदस्य टीम बनाई गई है जो आज से स्मॉग टावर की क्लोज मॉनिटरिंग करेगी। यहां पर एक स्क्रीन लगाई गई है जिस पर रियल टाइम कोई भी देख सकता है कि इस समय हवा की क्या स्थिति है। यह टीम 3 महीने के अंदर अपनी प्राथमिक रिपोर्ट सरकार को देगी। इसके 3 महीने बाद सेकेंड्री रिपोर्ट आएगी और उसके बाद थर्ड रिपोर्ट आएगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आदेश, तत्काल गड्ढा मुक्त हों दिल्ली की सड़कें

पीडब्ल्यूडी की सभी सड़कों की मरम्मत के लिए एक विशेष अभियान चलाएगी दिल्ली सरकार

रणवीर गहलोत.ओपन सर्च

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत करने और गड्ढों को भरने को लेकर शुक्रवार को सचिवालय में समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने क्षतिग्रस्त हुई सड़कों पर चलने में लोगों को आ रही परेशानी को बहुत गंभीरता से लिया। लोगों की परेशानी को संज्ञान में लेते हुए सीएम अरविंद केजरीवाल ने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान लोक निर्माण मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि पीडब्ल्यूडी की क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधार के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को बड़ी संख्या में मेंटिनेंस वैन तैनात करने के निर्देश दिए, ताकि हर क्षेत्र पर बराबर ध्यान दिया जा सके। समीक्षा बैठक में सीएम अरविंद केजरीवाल ने पीडब्ल्यूडी को क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य पूरा करने के लिए 20 अक्टूबर तक का समय दिए। मुख्यमंत्री ने अगले 10 दिनों के अंदर सभी गड्ढों को भरने और अगले 20 दिनों के भीतर टूटी सड़कों के मरम्मत का काम पूरा करने के निर्देश दिए गए। दिल्ली सरकार ने दिल्ली की क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करने के लिए योजना तैयार की है। दिल्ली सरकार का लोक निर्माण विभाग एक अक्टूबर से दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 1260 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत करने के लिए एक विशेष अभियान शुरु करने जा रहा है। दिल्ली सरकार के इस कदम से सड़कों की स्थिति में सुधार होगा, जो बरसात के मौसम में जलभराव और भारी बारिश के कारण खराब हो जाती हैं। माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस परियोजना की समीक्षा की और सभी अधिकारियों को इस कार्य को कुशल तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अगले 20 दिनों के भीतर सभी सड़कों की मरम्मत, गड्ढों को भरने और टूटी सड़कों की मरम्मत का काम पूरा करने के निर्देश दिए।

एक नज़र

विश्व अनुवाद दिवस पर कू ने यूज़र्स को दिया ट्रांसलेशन फीचर का तोहफा

नेता, सेलेब्स और प्रमुख हस्तियां अब इस फीचर का उपयोग करके बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ सकेंगे।

नई दिल्ली.ओपन सर्च। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफार्म कू, जो भारतीयों को अपनी भाषाओं में जुड़ने और बात करने में सक्षम बनाता है इस विश्व अनुवाद दिवस पर लाया है तोहफा। अब यूज़र्स आठ भाषाओं में रियल टाइम अनुवाद का आनंद उठा सकते है। यह अनोखा फीचर कू के हिंदी, मराठी, कन्नड़, तमिल, असमिया, बंगाली, तेलुगु और अंग्रेजी में स्वचालित अनुवाद को सक्षम बनाता है साथ ही साथ उनकी डिजिटल पहुँच को भी बढ़ाता है। इससे भारत की समृद्ध भाषा विविधता के बीच यूज़र्स खुद को बेहतर तरीके से ज़ाहिर कर पाएंगे और अपने विचारों को सबसे साझा कर पाएंगे। कू इस तकनीक-संचालित अनुवाद सुविधा को सक्षम करने वाला दुनिया का पहला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। एक बहुभाषी माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के रूप में, कू ने जीवन के सभी क्षेत्रों के यूज़र्स और महत्वपूर्ण हस्तियों को आकर्षित किया है जैसे मुख्यमंत्री, राजनीतिक नेता, खेल सितारे, मशहूर हस्तियां, आध्यात्मिक गुरु।यह सभी सक्रिय रूप से मंच का लाभ उठा रहे हैं और अब नए अनुवाद फीचर से कम्युनिटी के बीच अपनी पहुँच बढ़ाने, बिना रुकावट अपने लोगों से जुड़ने और बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुँचने के लिए वे इसका उपयोग कर सकेंगे। अपनी बहु-भाषा पेशकशों पर विचार करते हुए, कू के एक प्रवक्ता ने कहा, भारत एक अनोखा देश है। यहाँ हज़ारों भाषाएँ और बोलियां है। ज़्यादातर प्रोडक्ट्स मानकर चलते है की यूज़र्स ग्लोबल भाषा बोलते है जबकि यह भारत के लिए असत्य है। भारत को उसी की भाषा में बात करने, जुड़ने और खुदको व्यक्त करने का अवसर देने के अलावा हम अनुवाद के इस फीचर के साथ उनका यूज़र अनुभव भी बेहतर बनाना चाहते है। हम यह देखने के लिए उत्साहित है की बड़े पैमाने पर लोगों के बीच अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए प्रसिद्ध हस्तियां इसका कैसे उपयोग करती है।

स्टाइलिश कपड़े और हाथों पर टैटू बनवाकर करता था लूटपाट, ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली.एजेंसी। स्टाइलिश कपड़े और हाथों पर टैटू बनवाकर लूटपाट करने वाले एक लुटेरे को गिरफ्तार कर अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने उससे लूट की सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की है। आरोपित की पहचान आरपीएस कालोनी, दक्षिणपुरी निवासी विवेक बेनीवाल उर्फ मोंटी के रूप में हुई है। दक्षिणी दिल्ली जिले की पुलिस उपायुक्त बेनिता मेरी जैकर ने बताया कि 28 सितंबर को हेडकांस्टेबल होशियार सिंह और कांस्टेबल अरविंद गश्त के दौरान एच-ब्लाक दक्षिणपुरी पहुंचे तो एक महिला ने बताया कि स्कूटी सवार दो लड़के उनसे सोने की चेन लूटकर भाग गए हैं।

इस पर दोनों पुलिसवालों ने बदमाशों का पीछा शुरू किया और एक बदमाश को स्कूटी के साथ धर दबोचा। तलाशी के दौरान महिला से लूटी गई चेन भी बरामद कर ली। वहीं, उसका एक साथी भाग गया। पूछताछ में पता चला कि स्टाइलिश कपड़े और हाथों पर टैटू गुदवाकर वह वारदात करता था, जिससे उसका पहनावा देखकर कोई उस पर शक न करे। जांच में पता चला कि अब तक वह एक दर्जन से अधिक वारदातें कर चुका है। फिलहाल पुलिस उसके साथी की तलाश में जुटी है। उधर सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने एक फैक्ट्री कर्मी के साथ चाकू के बल पर लूटपाट करने के मामले में मुख्य आरोपित व उसके तीन नाबालिग साथियों को पकड़ा है।

सस्ते में सोना दिलाने के नाम पर ठगने वाले तस्करों को एक छोटी सी गलती पड़ गई भारी, ऐसे चढ़े पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली (एजेंसी) हजरत निजामुद्दीन थाना पुलिस ने खाड़ी देशों से सस्ते दामों पर सोना मंगाकर सप्लाई का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों से पुलिस ने 7.62 लाख रुपये और छह मोबाइल बरामद किए हैं। आरोपितों ने इंडिया मार्ट वेबसाइट के जरिये एक आभूषण विक्रेता को लालच देकर आठ लाख रुपये ठगे थे।

आरोपितों की पहचान शोएब पठान, सोधा साबिर हुसैन, इमरान मुबारक जुनैजा और चानिया जुबैर के रूप में की गई है। दक्षिण-पूर्वी जिले की पुलिस उपायुक्त ईशा पांडेय ने बताया कि शोभित मंगल नाम के शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह सोने-चांदी के आभूषण का काम करते हैं। इंडिया मार्ट नाम की वेबसाइट पर उनकी मुलाकात शोएब पठान नाम के युवक से हुई। शोएब ने उन्हें खाड़ी देशों से बिना कस्टम ड्यूटी वाला सोना देने की बात कही। पहले शोएब ने उन्हें गुजरात के मांडवी एयरपोर्ट से माल लेने को कहा लेकिन पीड़ित ने इनकार कर दिया तो आरोपित ने 200 ग्राम सोने के लिए हजरत निजामुद्दीन दरगाह बुलाया। वहां उसने पीड़ित से आठ लाख रुपये लिए और उसके बदले उन्हें 10 रुपये का फटा नोट दिया। आरोपितों ने पीड़ित से कहा कि यह नोट दिखाकर वह चांदनी चौक की आरके ज्वैलर्स नाम की दुकान से अपना माल ले सकते हैं। शोभित जब माल लेने चांदनी चौक पहुंचे तो आरोपित ने अपना फोन बंद कर लिया। इस पर उन्हें ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपित के नंबर से रजिस्टर्ड ट्रू-कालर आइडी पर गुजरात नंबर की कार की प्रोफाइल पिक्चर लगी थी।

दिल्ली में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सड़क सुरक्षा शिखर सम्मेलन का आयोजन

सड़क सुरक्षा परियोजनाओं और नीतियों पर काम करने के लिए परिवहन विभाग ने आईआईटी-दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

पंकज तिवारी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। परिवहन विभाग ने आज दिल्ली सड़क सुरक्षा 2021 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें रोड सेफ्टी लीड एजेंसी, दिल्ली यातायात पुलिस, आईआईटी-दिल्ली सहित सड़क सुरक्षा स्टेकहोल्डर्स और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल हुए। इस शिखर सम्मेलन में दिल्ली की सड़कों पर सुरक्षित यात्रा के लिए एक मजबूत कार्य योजना साझा करने पर चर्चा की गई। ताजमहल होटल में दिल्ली के परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलोत ने प्रधान सचिव सह परिवहन आयुक्त श्री आशीष कुंद्रा की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा शिखर सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत की। इस आयोजन में, परिवहन विभाग ने दिल्ली में रोड सेफ्टी और उससे सम्बंधित पॉलिसियों पर काम करने के लिए परिवहन मंत्री की उपस्थिति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-दिल्ली (आईआईटी-दिल्ली) के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमयू) पर हस्ताक्षर किए।इस साझेदारी के द्वारा सरकार सड़क दुर्घटना डेटा विश्लेषण, एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस के कार्यान्वयन के साथ एकीकरण, अधिक ब्लैकस्पॉट पहचान आदि सहित डेटा संचालित अनुसंधान, प्रवर्तन और निष्पादन की परिकल्पना करती है।

इस दौरान परिवहन मंत्री ने तेज गति, हेलमेट का सही उपयोग, सीट बेल्ट का उपयोग और शराब पीकर गाड़ी चलाने के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए छह महीने का गहन सोशल मीडिया अभियान भी शुरू किया। ब्लूमबर्ग फिलैंथ्रॉपीज़ इनिशिएटिव फॉर ग्लोबल रोड सेफ्टी सड़क दुर्घटनाओं, चोटों और मौतों को कम करने के लिए साक्ष्य-आधारित संचार रणनीतियों को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए परिवहन विभाग को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है।शिखर सम्मेलन में आईआईटी-दिल्ली की ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च एंड इंजुरी प्रिवेंशन सेंटर (टीआरआईपी केंद्र) द्वारा प्रस्तुतियां भी शामिल थीं।

आजादी अमृत महोत्सव की 75 वीं वर्षगांठ

महापौर तथा नगर आयुक्त ने दिया स्वच्छता का संदेश

ओपन सर्च ब्यूरो

गाजियाबाद। गुरुवार को महापौर आशा शर्मा की अध्यक्षता तथा नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर की उपस्थिति में नगर निगम मुख्यालय में आजादी अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शहर की सफाई में विशेष योगदान देने वाले सफाई मित्र, स्वस्थ मोहल्ले, स्वस्थ आरडब्लूए, स्वस्थ ग्रही, टीम हंड्रेड वॉलिंटियर्स व अन्य को महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही शहर में कूड़ा पृथक्करण, हरा भरा शहर के लिए शहर वासियों को जागरूक किया गया। टीम हंड्रेड वॉलिंटियर्स को गाजियाबाद नगर निगम द्वारा टी शर्ट व कैप भी वितरित की गई, जिनको पहनकर शहर के प्रत्येक ज़ोन में, शहर निवासियों को शहर हरा भरा बनाने के लिए जागरूक करेंगे और स्वच्छता में योगदान देंगे। शहर के आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को भी सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों द्वारा अपने विचार रखे गए, जिसमें शहर को स्वच्छ बनाने की बात कहीं गई। कार्यक्रम में गोबर से बनी वस्तुएं सीएण्डडी वेस्ट से बनी वस्तुएं वेस्ट प्लास्टिक से बनी वस्तु की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव, समस्त जोनल प्रभारी, समस्त एसएफआई, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी व अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

नगर निगम मुख्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए महापौर आशा शर्मा व नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर अधीनस्थ नगर निगम कर्मियों के साथ।

आइकोनिक हेल्थ केयर समिट एंड अवार्ड्स 2021 से शुभांग अरोड़ा सम्मानित

ओपन सर्च.संवाददाता

नई दिल्ली। स्थानीय होटल शांगरिला में आयोजित आइकोनिक हेल्थ केयर समिट एंड अवार्ड्स 2021 कार्यक्रम में यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी, गाज़ियाबाद के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शुभांग अरोरा को केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता फग्गनसिंह कुलस्ते एवं उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ नेता सूरज भान सिंह ने स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य एवं मरीजों के कोविड काल में निर्भीक प्रबंधन हेतु अवार्ड में ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री श्री कुलस्ते ने कोरोना के खतरे के दौरान केंद्र सरकार की ओर से यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी, गाज़ियाबाद के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शुभांग अरोरा की लोगों की उचित चिकित्सा, कोविड से सम्बंधित दवाइयों एवं उपकरणों की सही समय पर उपलब्धता, हॉस्पिटल में उच्च श्रेणी की हाइजीन, सेनिटाइजेशन एवं कोविड संक्रमण को फ़ैलाने से रोकने के लिए बायोमेडिकल अपशिष्ट का उच्च प्रबंधन एवं निस्तारण, सुचारु व्यवस्था एवं लोगों को सही समय पर उचित सहायता पहुंचाने के काम की सराहना की और कहा कि शुभांग अरोड़ा ने देश ही नहीं वरन विश्व में भारत को कोरोना बीमारी से लड़ने में अग्रसर बनाने में भरपूर मदद की है, जो अत्यंत सराहनीय है। श्री अरोड़ा ने अवार्ड से सम्मानित किये जाने के बाद अपार हर्ष जाहिर करते हुए कहा कि सही मायने में मैं इस अवार्ड को यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी, के वरिष्ठ चिकित्सकों, नर्सों एवं अन्य स्टाफ को उनके अथक परिश्रम एवं निष्ठा के लिए अर्पित करना चाहता हूँ।

प्रमोशन के लिए मनस्वी की स्टारकास्ट पहुंची दिल्ली

ओपन सर्च

नई दिल्ली। जब भी किसी फिल्म के प्रमोशन की बारी आती है तो उसके स्टारकास्ट दिल्ली का रुख जरूर करते हैं। आनेवाली फिल्म मनस्वी भी इसका अपवाद नहीं रही, तभी तो इस फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में इसकी स्टारकास्ट पिछले दिनों देश की राजधानी में थी। बता दें कि मनोज ठक्कर द्वारा निर्देशित आध्यात्मिक थ्रिलर मनस्वी 8 नवंबर, 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कनॉट प्लेस स्थित पीवीआर प्लाजा में आयोजित प्रमोशनल प्रेस कान्फ्रेंस में अभिनेता रवि मित्तल, विशाल चौधरी, निर्माता जयेश राजपाल और सह-निर्माता प्रतीक सांघवी मौजूद थे। मनस्वी की शूटिंग के दौरान हासिल अनुभवों के बारे में विशाल ने बताया, हमने इस फिल्म को लॉकडाउन की अवधि में शूट किया है और कोरोनाकाल में भी फिल्म को पूरा करने के लिए मैं इसके निर्माताओं का आभारी हूं। कारोना महामारी के दौरान जब लोग काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब मैं काम कर रहा था। फिल्म में जब मुझे लीड भूमिका दी गई तो मेरे लिए यह दोहरी खुशी का क्षण था, क्योंकि इस फिल्म में आध्यात्मिकता का असली सार है।

समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने मनाया वृद्ध व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

अन्य राज्यों की तुलना में दिल्ली की सरकार इकलौती ऐसी सरकार है जो वरिष्ठ नागरिकों को सबसे अधिक पेंशन प्रदान करती है : राजेंद्र पाल गौतम

मुझे बहुत खुशी होती है यह बताते हुए की हमारे वृधाश्रमों में सभी को पौष्टिक भोजन और सभी स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल रही है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जी की सरकार पूरे देश में इकलौती ऐसी सरकार है जो बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों तक सभी का ख़्याल रखती है। : राजेंद्र पाल गौतम

संगम यादव.ओपन सर्च

नई दिल्ली। समाज कल्याण मंत्री श्री राजेंद्र पाल गौतम ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया। समारोह का आयोजन दिल्ली सचिवालय में किया गया। समाज कल्याण विभाग दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों को देखभाल और सहायता प्रदान करने के लिए नोडल एजेंसी है। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने नागरिकों को राहत, सहायता और देखभाल प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा उठाए गए विभिन्न योजनाओं और कदमों पर प्रकाश डाला। दिल्ली सरकार भारत के किसी भी अन्य राज्य की तुलना में अपने वरिष्ठ नागरिकों को सबसे अधिक पेंशन देती है।

यह केवल दिल्ली में है कि 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को रु 2500 प्रति माह पेंशन के प्रदान होती है । जबकि 60-69 वर्ष के आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों को 2000 रुपये प्रति माह पेन्शन मिलती हैं।- राजेंद्र पाल गौतम प्रत्यक्ष वित्तीय लाभों के अलावा, दिल्ली सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए लगभग 150 मनोरंजन केंद्रों को सहायता अनुदान भी प्रदान करती है। वरिष्ठ नागरिकों को अक्सर अकेलापन महसूस होता है । ये मनोरंजन केंद्र वरिष्ठ नागरिकों को विश्राम और सामाजिक संपर्क की सुविधा प्रदान करते हैं।

मंत्री ने यह भी कहा कि 25 मई 2021 को समाज कल्याण विभाग ने एल्डरलाइन नामक एक टोल-फ्री हेल्पलाइन 14567 शुरू की। यह हेल्पलाइन केवल बुजुर्गों के लिए है। इस हेल्प्लायन के ज़रिए बुजुर्गों को मुफ्त सूचना, मार्गदर्शन, भावनात्मक समर्थन और दुर्व्यवहार के मामले में क्षेत्रीय हस्तक्षेप और वरिष्ठ नागरिकों को बचाव प्रदान करने में मदद करती है। अब तक सरकार को हेल्पलाइन पर करीब 25,000 कॉल आ चुकी हैं। हेल्पलाइन पर 2856 कोविड से संबंधित, 164 दुर्व्यवहार से संबंधित और 21 बचाव संबंधी कॉल प्राप्त हुए। हेल्पलाइन पर पेंशन संबंधी शिकायतों के भी कॉल आते हैं। समाज कल्याण विभाग ने वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस, कानूनी मार्गदर्शन के लिए डीएलएसए और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ सक्रिय रूप से काम किया।

स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष का जश्न मनाते हुए, दिल्ली सरकार ने वरिष्ठ सम्मान उत्सव, 2021 शुरू किया है। दिल्ली सरकार ने सामाजिक कार्य, पर्यावरण, महिला अधिकार, खेल, स्वास्थ्य, कला और संस्कृति आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए वरिष्ठ नागरिकों के आवेदन आमंत्रित किए हैं। सरकार भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित करेगी। विभाग के पास बिंदापुर, वजीरपुर और लमपुर में स्थित 3 कार्यात्मक वृद्धाश्रम भी हैं। इसके अलावा दिल्ली के विभिन्न जिलों में 10 वृद्धाश्रम निर्माणाधीन हैं।

मंत्री राजेंद्र पाल गौतम पिछले माह सभी वृद्धाश्रमो का दौरा किया था और बताया, प्रति माह में और मेरे डिपार्टमेंट के ऑफ़िसर सभी वृद्धाश्रमो का दौरा करते हैं और वहाँ सभी बुजुर्गों से बात चीत करके वहाँ की सुविधाओं को असेस करते हैं। मुझे बहुत खुशी होती है यह बताते हुए की हमारे वृद्धाश्रमो में सभी को पौष्टिक भोजन और सभी स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल रही है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जी की सरकार पूरे देश में इकलौती ऐसी सरकार है जो बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों तक सभी का ख़्याल रखती है। : राजेंद्र पाल गौतम

सम्पादकीय

ओपन सर्च

अदालतों की सुरक्षा राम भरोसे कब तक?

राजधानी की जिला अदालतों में लगातार घटती खून वारदातों ने सोचने पर मजबूर कर दिया है। एक ही किस्म की घटनाएं बार-बार क्यों घट रही हैं। क्यों उन्हें नहीं रोका जा रहा। घटना भी ऐसी एकदम पुलिस के नाक के नीचे हो रही हैं। फिलहाल दिल्ली के रोहिणी कोर्ट की घटना ने सुरक्षा में हुई भयंकर चूक को एक्सपोज किया। स्थानीय पुलिस व स्पेशल सेल के दर्जनों कर्मियों की मौजूदगी में दो गैंगस्टरों के बीच तड़ातड़ गोलियां चलती रहीं। पुलिसकर्मी अपने बचाव का मोर्चा नहीं संभालते तो जानमाल का भारी नुकसान हो सकता था। बहरहाल, दिखावे और कहने के लिए तो दिल्ली के जिला अदालतों की सुरक्षा चाकचौबंद रहती है।

पर, इसके पूर्व 24 दिसंबर 2015 में कड़कड़डूका कोर्ट में जज के सामने गैंगस्टर छेनू पहलवान और नासिर गिरोह के तीन नाबालिग बदमाशों द्वारा फायरिंग करना। वहीं, 15 नवंबर 2017 में रोहिणी कोर्ट परिसर में एक विचाराधीन कैदी विनोद के सिर में गोली मारकर बदमाशों द्वारा हत्या कर देना बताता है कि राजधानी में जिला अदालतों की सुरक्षा कैसी है। बहरहाल, उन घटनाओं की पुनरावृत्ति पिछले सप्ताह एक बार फिर हो गई जिसमें तीन बदमाश ढेर हुए। लगातार होती गैंगवार की घटनाओं को देखते हुए बीते शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर हुई, याचिका में संबंधित अधिकारियों व अथॉरिटी को दिल्ली की अदालतों में सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश देने की अपील की गयी। सुरक्षा सुनिश्चित होनी भी चाहिए, क्योंकि दिल्ली में गैंगस्टरों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है। मारा गया जितेंद्र गोगी नाम का अपराधी दिल्ली का टॉप-10 गैंगस्टर था।

> सुरक्षा सुनिश्चित होनी भी चाहिए, क्योंकि दिल्ली में गैंगस्टरों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है। मारा गया जितेंद्र गोगी नाम का अपराधी दिल्ली का टॉप-10 गैंगस्टर था। इसी के गुट से वर्षों पहले अलग हुआ टिल्लू गुट के सदस्यों ने उसे मारा। पहले दोनों गुटों का मुख्य धंधा सुपारी लेकर मर्डर करने का था। हालांकि अभी भी दोनों गुटों के सदस्य सक्रिय हैं। गोगी भी जेल में था और टिल्लू अभी भी है। दोनों जेल में रहकर अपना गिरोह चला रहे थे।

इसी के गुट से वर्षों पहले अलग हुआ टिल्लू गुट के सदस्यों ने उसे मारा। पहले दोनों गुटों का मुख्य धंधा सुपारी लेकर मर्डर करने का था। हालांकि अभी भी दोनों गुटों के सदस्य सक्रिय हैं। गोगी भी जेल में था और टिल्लू अभी भी है। दोनों जेल में रहकर अपना गिरोह चला रहे थे। गोगी के मरने के बाद गिरोह की कमान उसके दूसरे साथी ने संभाली है। सूत्र यही बताते हैं कि दोनों को पुलिस ने ही पाला पोसा था। उनके हर मूवमेंट की खबर कुछ पुलिसकर्मियों को होती थी। जेलों में उनकी अच्छी खातिरदारी की जाती रही है। अभी हाल ही गैंगस्टरों के साथ कुछ पुलिसकर्मियों की जेल में पार्टी करने की तस्वीरें भी वायरल हुई थी जिसमें कई नपे हैं। सवाल उठता है जब अपराधियों की पनाहगार खुद पुलिस होगी तो उन्हें कोर्ट में क्या कहीं भी फायरिंग करने से डर लगेगा।

घटना के बाद वकीलों ने पुलिस को कटघरे में खड़ा किया है। उनका तर्क है बिना पुलिस के सहयोग से कोई अपराधी कोर्ट रूप में जाकर इस तरह की हिमाकत नहीं कर सकता। आपस में भिड़ाना और गोलीबारी करवाने के पीछे पुलिस का ही हाथ होता है। इस संबंध में वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर से भी मिला और उनको अपराधियों-गैंगस्टरों की मिलीभीगत से अवगत कराया। रोहिणी कोर्ट शूटआउट की जांच क्राइम ब्रांच को दी गई। वह निष्पक्ष जांच करेगी, इसकी उम्मीद वकीलों को नहीं है। उनकी मांग है ऐसे मामलों की जांच किसी रिटायर्ड जज की निगरानी में कराई जाए। बहरहाल, घटना से उठे शोर को थामने के लिए रोहिणी कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ाई है। रोहिणी कोर्ट के अंदर-बाहर बड़ी संख्या दिल्ली पुलिस के जवानों और पैरामिलिट्री फोर्स को तैनात किया है। सभी आगंतुक की कड़ाई से जांच हुआ करेगी।

पर, सवाल वही है, ये कब तक होगा ? हमने इससे पहले कड़कड़डूमा कोर्ट की घटना के बाद भी देखा था, मेटल डिटेक्टर से लेकर पुलिस कर्मियों की भारी संख्या में तैनाती, सिविल डिफेंस को गेट के बाहर सुरक्षा के लिए लगाया था। आने-जाने वालों के लिए पास अनिवार्य किए गए थे। लेकिन जैसे-जैसे समय बीता सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी कम हो गए, आज स्थिति ऐसी है कोई भी कोर्ट रूम तक आसानी से दाखिल हो सकता है। सुरक्षा का ये तामझाम तभी तक रहता है जब तक मीडिया और आमजन में चर्चाएं रहती हैं। चर्चा खत्म होते ही, कामचलाऊ व्यवस्था फिर से लागू हो जाती है जिसका अपराधी फायदा उठाते हैं। सोचने वाली बात है अपराधी घटना को घटित करने के बाद अगले दिन तो आएगा नहीं, दूसरी घटना के लिए वह लंबा गैप लेगा। इसलिए सुरक्षा-व्यवस्था हमेशा के लिए यथावत होनी चाहिए। रोहिणी कोर्ट में अपराधियों ने बाकायदा दो दिनों तक सुरक्षा इंतजाम का जायजा लिया, तसल्ली होने के बाद घटना को अंजाम दिया।

अर्थव्यवस्था में पर्यटन पथ

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

भारत में पर्यटन व तीर्थाटन की परंपरा आदिकाल से रही है। नदी, अरण्य, तीर्थस्थल आदि हमारे पर्यटन स्थल हुआ करते थे। इसमें शिक्षण व अनुसंधान के केंद्र भी सम्मलित थे। इन सबका केवल आध्यात्मिक महत्व मात्र नहीं था। बल्कि यह भारत के राष्ट्रीय भाव के विस्तार को भी रेखांकित करते थे। आज भी यह राष्ट्रीय एकता के सूत्र स्थल है। प्राचीन काल में यातायात सुविधा आदि का अभाव था। फिर भी लोग तीर्थाटन के लिए जाते थे। आधुनिक युग में तकनीकी विकास से साधन सुविधा उपलब्ध हुए हैं। इनका विस्तार सभी क्षेत्रों में है। लेकिन पर्यटन स्थलों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता थी। स्वतन्त्रता के बाद यह कार्य होना चाहिए था। लेकिन इस पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। सरकार के मुखिया अपने निर्वाचन क्षेत्र व जनपद को वीआईपी दर्जे में रखने लगे। जबकि यह दर्जा पर्यटन स्थलों को मिलना चाहिए था। पहली बार केंद्र और प्रदेश की वर्तमान सरकारों ने इस ओर ध्यान दिया। पर्यटन और तीर्थाटन को अर्थव्यवस्था में उचित स्थान दिया गया। देश की नदियों के तट पर बने धार्मिक स्थल भी राष्ट्रीय एकता को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते थे। पर्यटन से परोक्ष अपरोक्ष रोजगार का सृजन होता है।

केंद्र व प्रदेश की वर्तमान सरकारों ने इस तथ्य को समझा है। इसके अनुरूप योजनाएं बनाई गई। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नदियां भौतिक वस्तु नहीं हैं। हमारे लिए नदी एक जीवंत इकाई है। तभी तो हम नदियों को मां कहते हैं। हमारे कितने पर्व, त्योहार उत्सव इन माताओं की गोद में होते हैं। भारत में स्नान करते समय एक श्लोक बोलने की परंपरा रही है- गंगा सिन्धु सरस्वती च यमुना, गोदावरी नर्मदा, कावेरी सरयू महेन्द्रतनया, चमर्ण्वती वेदिका। शिप्रा वेत्रवती महासुरनदी, ख्याता च या गण्डकी, पूर्णाः पुण्यजलैः समुद्रसहिताः, कुवर्न्तु वो मंगलम्।। इसके उच्चारण मात्र से भारत में नदियों को लेकर आस्था का संचार होता था। विशाल भारत का एक मानचित्र मन में अंकित हो जाता था। नदियों के प्रति जुड़ाव बनता था। साढ़े चार वर्ष पहले तक उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन व पर्यटन विकास कोई मुद्दा नहीं था। इस क्षेत्र में मात्र औपचारिकता का निर्वाह किया जाता था। जबकि उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन व पर्यटन विकास की व्यापक संभावना रही है। प्रभु श्रीराम व श्रीकृष्ण ने यहीं अवतार लिया। दुनिया

की सबसे प्राचीन बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी यहीं है। इसके अलावा अनेक देविधामों की देश में प्रतिष्ठा है। लाखों दर्शनार्थी इन सभी स्थलों पर प्रति वर्ष आते हैं। उनके आगमन से यहां लघु भारत का दृश्य दिखाई देता है। इतना ही नहीं विदेशी पर्यटकों की आमद भी कम नहीं होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का इन सभी स्थलों से भावनात्मक लगाव भी रहा है। इससे भी आगे बढ़कर उन्होंने इन सभी स्थलों को प्रदेश के समग्र विकास से जोड़ा। पर्यटन व तीर्थाटन से अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। योगी आदित्यनाथ ने सन्देश दिया कि यह साम्प्रदायिक विषय नहीं है। यह प्रदेश के विकास से जुड़ा मुद्दा है। जिसे साम्प्रदायिक समझ कर अबतक उपेक्षा की गई। पिछली सरकारें वोटबैंक सियासत के कारण इन स्थलों से दूरी बना कर रखती थी। इस कारण यहां अपेक्षित विकास नहीं किया गया। जबकि दशकों पहले ही यहां विश्वस्तरीय विकास की आवश्यकता थी। इस कार्य को केंद्र व प्रदेश की वर्तमान सरकारें पूरा कर रही है। प्रदेश सरकार के कुशल नेतृत्व एवं प्रबन्धन में प्रयागराज में कुम्भ का दिव्य एवं भव्य आयोजन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। प्रदेश सरकार ने ब्रज तीर्थ एवं चित्रकूट धाम में विकास को नई दिशा दी। अयोध्या में दीपोत्सव कार्यक्रम द्वारा जनभावनाओं का आदर किया गया। अपनी परम्पराओं को विकसित किया है। सभी तीर्थ क्षेत्रों में जन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। कुछ दिन पहले माँ विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर का शुभारम्भ एवं रोप वे का उद्घाटन किया गया था। कॉरिडोर परियोजन में मंदिर परकोटा एवं परिक्रमा पथ का निर्माण, रोड व मेन गेट की अवस्थापना का निर्माण, मंदिर की गलियों में फसाड ट्रीटमेंट का निर्माण, पहुंच मार्गों का सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण कार्य, पार्किंग स्थल, शॉपिंग सेण्टर व अन्य यात्री सुविधाओं का निर्माण सम्मिलित हैं। योगी आदित्यनाथ ने तीर्थाटन व पर्यटन के क्षेत्र में दशकों से चली आ रही नीति में व्यापक सुधार किया है। उन्होंने आस्था के साथ विकास को भी जोड़ा है। काशी, मथुरा, अयोध्या आदि विश्व प्रसिद्ध नगरों का होना उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है। किंतु इस गौरव के अनुरूप विशेष जिम्मेदारी की अपेक्षा भी अपेक्षा रहती है। पिछली सरकारों ने इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। योगी आदित्यनाथ ने अनेक अवसरों पर कहा कि पिछली सरकारें इन स्थलों का नाम लेने से डरती थी। उन्हें लगता था कि ऐसा करने से उनकी सेक्युलर छवि खराब होगी। जबकि यह जनहित से जुड़ा विषय था। योगी आदित्यनाथ ने तीर्थाटन व पर्यटन विकास पर ध्यान दिया। यहां के विकास का लाभ बिना भेदभाव के सभी स्थानीय लोगों को मिल रहा है। इसके साथ ही पर्यटन के लिए पहुंचने वाले लोगों को भी सुविधाएं उपलब्ध हो रही है। पिछले दिनों अयोध्या में राष्ट्रपति ने अनेक विकास कार्यों का भी शुभारंभ किया था। योगी आदित्यनाथ सभी क्षेत्रों की यात्रा के दौरान विकास की योजनाएं भी ले जाते हैं। केन्द्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के तहत रामायण स्प्रिचुअल, बौद्ध, हेरिटेज आदि सर्किट के माध्यम से प्रदेश के पर्यटक स्थलों का व्यवस्थित विकास कराया जा रहा है। राज्य की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक पर्यटन स्थल पर विभिन्न पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना लागू की गयी है। राज्य में पर्यटन स्थलों को आकर्षक एवं सुविधापूर्ण बनाने के पर्यटन विभाग के प्रयासों के सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। पर्यटन सुविधाओं के विकास के सम्बन्ध में सबसे पहला प्रयास अन्तःकरण के भाव को सम्मान देने के लिए स्प्रिचुअल पर्यटन के क्षेत्र में हुआ होगा। इस क्षेत्र में उत्तर प्रदेश दुनिया के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में है।

यहां श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े अनेक स्थल, भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या, भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि मथुरा, भगवान विश्वनाथ की धरती तथा विश्व की प्राचीनतम नगरी काशी, दुनिया की सबसे पवित्र नदियों गंगा जी व यमुना जी के संगम के रूप में कुम्भ की धरती प्रयागराज, विभिन्न शक्ति केन्द्र, भगवान बुद्ध से जुड़े छह प्रमुख स्थल, जैन परम्परा के तीर्थंकरों से सम्बन्धित अनेक पवित्र स्थल हैं। हेरिटेज टूरिज्म से सम्बन्धित अनेक महत्वपूर्ण स्थल उत्तर प्रदेश में हैं। प्रथम स्वाधीनता समर का स्थल,महाराजा सुहेलदेव के शौर्य व पराक्रम का स्थल बहराइच सहित विभिन्न कालखण्ड के ऐतिहासिक स्थल यहां मौजूद हैं। महारानी लक्ष्मीबाई, शहीद मंगल पाण्डेय, पं राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, चन्द्रशेखर आजाद जैसे स्वाधीनता सेनानियों तथा क्रांतिकारियों से जुड़े स्थल, स्वतंत्रता संघर्ष से जुड़े स्थल जैसे लखनऊ में काकोरी, गोरखपुर में चौरी चौरा आदि उत्तर प्रदेश में हैं।

जीवन में शांति कैसे प्राप्त करें ?

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

> *महात्मा गाँधी जी के जन्मदिवस पर विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया जा रहा है। हम सभी जानते हैं कि गाँधी जी ने अहिंसा के द्वारा भारत को आजादी दिलवाई। वे हमेशा यही कहा करते थे कि यदि हम चाहते हैं कि हमारा जीवन शांति से भरपूर हो तो उसके लिए हमें अहिंसा के गुण को मन, वचन और कर्म से अपने जीवन में ढालना होगा। तभी हम न सिर्फ अपने जीवन में बल्कि पूरे विश्व में शांति की स्थापना के सपने को साकार कर पाएंगे।*

आज 2 अक्टूबर, महात्मा गाँधी जी के जन्मदिवस पर विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया जा रहा है। हम सभी जानते हैं कि गाँधी जी ने अहिंसा के द्वारा भारत को आजादी दिलवाई। वे हमेशा यही कहा करते थे कि यदि हम चाहते हैं कि हमारा जीवन शांति से भरपूर हो तो उसके लिए हमें अहिंसा के गुण को मन, वचन और कर्म से अपने जीवन में ढालना होगा।

तभी हम न सिर्फ अपने जीवन में बल्कि पूरे विश्व में शांति की स्थापना के सपने को साकार कर पाएंगे। अब प्रश्न यह उठता है कि अपने जीवन अथवा विश्व में शांति की स्थापना के लिए हम क्या कर सकते हैं? इस विषय में मेरा एक बहुत सरल सा सुझाव है और हमें यह आश्चर्य होगा कि इस विषय को अब तक हमने नज़र-अंदाज क्यों किया? विश्व में शांति की स्थापना के लिए पहली बुनियाद हम स्वयं हैं। हमें स्वयं अपने अंतर में ध्यान-अभ्यास द्वारा शांति की खोज करनी होगी और तभी हम विश्व में शांति की स्थापना में एक महत्त्वपूर्ण कड़ी बन पाएंगे।

आप कह सकते हैं कि मैं एक अकेला व्यक्ति, स्वयं आंतरिक शांति पाकर पूरे विश्व की शांति में क्या योगदान दे सकता है? हम अपने कार्यों द्वारा इस समाज में और यहाँ तक कि पूरी मानवता में भी परिवर्तन ला सकते हैं। इस परिवर्तन की शुरूआत होगी स्वयं के परिवर्तन और स्वयं की शांति की खोज से। यदि आप ध्यान-अभ्यास द्वारा आंतरिक शांति प्राप्त कर लें तो आपको आत्मिक प्रसन्नता का अनुभव होगा। उस आत्मिक शांति और आनंद को पाने के पश्चात सबसे पहले आप अपने परिवार और अपने आस-पास के लोगों को शांत करने में मददगार होंगे। उसके बाद शांति का यह दायरा धीरे-धीरे समाज और देश से होता हुआ विश्वभर में फैलेगा। इस प्रकार हम एक-एक करके, कड़ी से कड़ी जोड़कर विश्व शांति की स्थापना कर पाएंगे। मनौवैज्ञानिक नीति यह समझाती है कि कोई भी इंसान यह नहीं चाहता कि उसे कोई दूसरा व्यक्ति उसे समझाए कि उसके लिए क्या उचित है? यदि कोई दूसरा व्यक्ति उसे बदलने की कोशिश करता है तो इंसान उसका विरोध करता है। जब हमें भी कोई व्यक्ति किसी कार्य को करने का नया तरीका समझाता है तो हम स्वयं भी उसका विरोध करते हैं।

यह सब अच्छी तरह जानते हुए भी हम पता नहीं क्यों दूसरों को बदलने में ही लगे रहते हैं? हम अपने जीवन साथी, अपने बच्चों, अपने रिश्तेदारों और अपने मित्रों को अपने अनुसार बदलना चाहते हैं। बहुत से लोगों की यह भी कोशिश होती है कि हमारे समाज का हर व्यक्ति शांत रहे। इसके अलावा हममें से कई ऐसे भी लोग हैं जो दूसरे देशों व शहरों में भी शांति की स्थापना चाहते हैं। पर जिस प्रकार हम नहीं चाहते कि कोई दूसरा व्यक्ति हमें बदले, ठीक उसी प्रकार दूसरे भी हमारे इस बदलाव के विरोधी हैं। दूसरों को बदलने का प्रयत्न उन्हें कभी खुशी व शांति प्रदान नहीं कर सकता। अपनी कोशिश से हम केवल स्वयं को बदल सकते हैं। दूसरों को यह कहना काफी नहीं है कि वे शांति का जीवन जियें। यदि हम चाहते हैं कि हमारी बातों का लोगों पर असर हो तो हमें इसे पहले अपने जीवन में ढालना होगा। यदि हम ध्यान-अभ्यास के द्वारा अपने अंतर में आंतरिक शांति प्राप्त करते हैं तो इससे हमारा जीवन ही बदल जाएगा।

हम हमेशा शांत और प्रसन्नचित्त रहेंगे, जिससे कि दूसरे व्यक्ति भी जिज्ञासावश यह जानने का प्रयास करेंगे कि हमारी खुशी का राज़ क्या है? इसके साथ-साथ वे यह भी जानने का प्रयत्न करेंगे कि यह खुशी और शांति हमने किस प्रकार प्राप्त की है? इसके सबसे बड़े उदाहरण संत-महापुरुष होते हैं। उनका जीवन हमारे सामने शांति की जीती-जागती मिसाल होती है। जो भी उनके चरण-कमलों में आता है उसे वे आंतरिक शांति से जोड़ देते हैं। तो आईये, हम भी ध्यान-अभ्यास के द्वारा अपने अंदर शांति का दीप प्रज्जवलित करें, जिसका प्रकाश दूसरों को भी रोशन कर दे ताकि उनका जीवन भी शांति और प्रकाश से भरपूर हो जाए। तभी हम सच्चे मायनों में अहिंसा दिवस को मना पाएंगे।

ऊर्जा साक्षरता के अंगीकार में नैतिक इच्छाशक्ति की भूमिका

राकेश कुमार वर्मा

महाभारत युद्ध को निर्णायक परिणाम में परिवर्तित करने का सामर्थ्य रखने वाले ऊर्जावान बार्बरीक को सिर कटवाना पड़ता है, तब उसे जीवन के यथार्थ का भान होता है। धर्म और अधर्म के कुरूक्षेत्र का अध्येता माता को दिये वचन (पराजित के पक्ष में युद्ध करना) से परे आत्मबोध से कहता है कि जो प्रतिज्ञा निजता में नहीं, वह विश्वकल्याण की सार्वजनिकता में है। अतएव आधुनिकतावश नैतिकता के विरुद्ध संसाधनों के दुरुपयोग की प्रवृत्ति से उपजे संकट पर चिन्तन करते हुए हमें भी बलिदान देना होगा। महात्मा गॉधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा ने विश्व को जो दर्शन दिया था, उसके विरुद्ध हमारी जीवनशैली ने ब्रम्हाण्ड को खतरे में डाल दिया है।

इस तारतम्य में जैविक यथा कोयला, तेल और गैसीय खनिजों के उत्खनन और उससे प्राप्त ऊर्जा के दुरूपयोग से उत्पन्न कार्बन, भू-ताप वृद्धि सहित अनेक आपदाओं का कारक बन गया है, जो विश्व को निगलने के लिए उद्यत है। ऐसे विकारों पर नियंत्रण के लिए सौरऊर्जा के विकल्प के साथ प्रस्तुत प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी न्यूनतम ऊर्जा साक्षरता में जन-सहभागिता को अनिवार्य मानते हैं। प्रो. सोलंकी मूलतः मध्यप्रदेश के हरदा जिले के निवासी हैं। हरदा शब्द की व्युत्पत्ति हरिद्रा से हुई है, जिसका संबंध 'लक्ष्मी' से हैं, पीला वस्त्र धारण करने वाले श्रीविष्णु और लक्ष्मी इस क्षेत्र को खाद्यान्त्र से समृद्ध किया है । पाण्डवों ने यहां वनवास बिताया। कहा जाता है कि प्रदेश में सर्वप्रथम बिजली हरदा में आई, यह हिन्दी के युगप्रवर्तक आचार्य महावीर प्रसाद की कर्मस्थली रही। यहॉ की मिट्टी ने गोविन्द भुस्कुटे जैसे संतों का पोषण किया, जिनका दर्शन हिन्दूधर्मः मानव धर्म विश्व के लिए प्रेरणा है। भारत ने सनातन परंपरा से प्रेरित वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा पर सदा ही त्याग, संयम, अपरिग्रह, व्रत, योग, शाकाहार, परोपकार जैसे विषयों को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाया, जो तुच्छ स्वार्थवश भोगवादी जीवनशैली के साधन बन गये। शिकागो पहुंचे स्वामी विवेकानंद के धर्मसंसद में प्रवेश को लेकर जब उनके वस्त्र के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि मैं उस देश का प्रतिनिधित्व करता हूँ जिसे त्याग के लिए पहचाना जाता है, फिर शिव, महावीर जैसे हमारे आराध्य तो दिगम्बर हैं।

लेकिन अफसोस, आज भौतिक समृद्धता ही हमारी पहचान है। वस्तु निर्माण की जटिल व ऊर्जासाध्य प्रक्रिया से उत्सर्जित घातक कार्बन को प्रो. सोलंकी की 12 माड्यूलों की शोधवृत्ति हमें उपभोगवादी शैली का अपराधबोध कराती है। उन्होंने बताया कि मानवीय जीवन शैली के कारण विश्व में प्रति सेकेण्ड 438 बिलियन यूनिट कार्बन उत्पन्न हो रही है जो बड़े भूभाग पर सूखा, बाढ़, अकाल मौत, जलवायु परिवर्तन, आकस्मिक आग सहित अनेक प्रकोपों का कारण हैं। इसके नियंत्रण के लिए संयमित जीवन के साथ सौरऊर्जा का उनका विकल्प अनुकरणीय है। प्रश्न यह है कि जब हम पर्यावरण सुधार के नाम पर अपने परिश्रम-दक्षता से अर्जित आय का बड़ा भाग टैक्स के रूप में भुगतान करते हैं तो यह जिम्मेदारी सरकार की होनी चाहिये। सरकार का इसमें दोष नहीं है क्योंकि उसकी कार्यशैली जनतंत्र के समानांतर किन्तु विपरीत दिशा में चलती है। जहॉ जन के विचार परोपकारी और संयमित होते हैं वहीं हमने सरकार को कभी सम्राज्यवादी सोच से उबरते नहीं पाया। एक-एक पौधरोपण के लिए भारी लाव-लश्कर (अमला-काफिला, विभागीय अधिकारियों-कर्मियों सुरक्षाकर्मियों विज्ञापन, स्वल्पाहार जैसे खर्चीले साधनों से लैस) के साथ विभिन्न स्थानों पर जब हम सरकार को देखते हैं, तब ऊर्जा आयात से चिन्तित चेतन जी की सरकार पर संदेह होता हैं।

> *महात्मा गॉधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा ने विश्व को जो दर्शन दिया था, उसके विरुद्ध हमारी जीवनशैली ने ब्रम्हाण्ड को खतरे में डाल दिया है। इस तारतम्य में जैविक यथा कोयला, तेल और गैसीय खनिजों के उत्खनन और उससे प्राप्त ऊर्जा के दुरूपयोग से उत्पन्न कार्बन, भू-ताप वृद्धि सहित अनेक आपदाओं का कारक बन गया है, जो विश्व को निगलने के लिए उद्यत है।*

सरकार की यह यात्रा यहीं नहीं रुकती अपितु, कवि निराला की 'वह तोड़ती पत्थर' और चिपको अभियान की बलि पर तैयार रेशमी नगर (स्मार्ट सिटी) के आगोश में कहीं खो जाती है। लब्बोलुआब यह कि मनुष्य और प्रकृति के शोषण पर आश्रित आधुनिक विकास का माडल अब विनाश में परिवर्तित हो चुका है, क्योंकि जो आधुनिक होगा उसकी अवधारणा सम्राज्यवादी ही होगी। स्थानीयता की नीति के अभाव से उपजा गॉवों से पलायन बड़ी चुनौती बन गया है। गॉधीजी आधुनिक विकास की इन नीतियों से परिचित थे, इसलिए उन्होंने 'मास' प्रोडक्शन के स्थान पर मासेज प्रोडक्शन से विकास की बात कही। स्वभाविक है कि जब हमारे पास अवश्यकता से अधिक धन है, तो उसका एक भाग अपने रुतबे पर खर्च करने में कोई हर्ज नहीं है। ऐसे में यदि हम किसी पंचतारा होटल की मधुशाला में हमारे नम हाथों का ध्यान रखते हुए धवल रूमालों के साथ परोसी गई शैंपेन की पॉच सिप के बाद अगली सिप को उष्ण बताते हुए वेटर की ओर देखें, तो उसकी साष्ट्रांगवत् स्वीकार्यता हमें कितनी आनंदित करती है, जबकि वह सिप पूर्व के पैग के समान उतनी ही चिल्ड थी।

बावजूद इसके कि यह तुलनात्मक रूप से अश्वमूत्र से कम स्वादिष्ट है। बात उन दिनों की है जब गौतम दत्ता पत्र सूचना कार्यालय के प्रमुख हुआ करते थे। कार्यालयीन कर्तव्यों के निर्वहन के कारण पैतृक स्थान उड़ीसा के कटक का आरक्षण होने के बाद भी अक्सर टिकिट निरस्त कराना पड़ता था। ऐसा ही एक आरक्षण उन्होंने करा रखा था, लेकिन ग्वालियर में तत्कालीन सूचना प्रसारण मंत्री सुषमा स्वराज के कार्यक्रम में अनिवार्य उपस्थिति के चलते पुनः टिकिट निरस्त कराने के अलावा दूसरा उपाय नहीं सूझ रहा था। उनके शुभचिंतकों ने उनके ग्वालियर कार्यक्रम के तत्काल बाद भोपाल से प्रस्थान करने वाली उस ट्रेन से उन्हें रवाना करने की योजना बनाई। अंततः योजनानुसार एक आला अधिकारी की सेवा के अवसर से उत्साहित परितोष दीक्षित एक सहायक के साथ भोपाल स्टेशन पहुंचकर उन्हें यात्रा बेग सौंप दिया। तब उन्होंने पूछा कि क्या हमने प्लेटफार्म टिकिट लिया है? हम चकित थे कि किसकी सामत आई है, जो पत्रकार और केन्द्रीय अधिकारी की औकाद रखने वाले व्यक्ति से प्लेटफार्म टिकट पूछे? हम सोच ही रहे थे कि दत्ता साहब ने यह कहते हुए दो प्लेटफार्म टिकिट हमारी ओर बढ़ाया कि 'मुझे मालुम था कि जल्दबाजी में शायद तुम प्लेटफार्म टिकट न ले सको, इसलिए मैंने ले लिया था। यह देख हम तार-तार हो गये। हमें अपनी भूल समझ आ गई थी। स्वयं को नजरअंदाज कर सरकारी नीतियों को दूसरे पर लादना कितना आसान है।

ये दो अलग-अलग तथ्य हमें मानवीय प्रवृत्तियों का बोध कराते हैं। अगर हम अटलबिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण जैसे सुविधासंपन्न संस्थान के संसाधनो का उपयोग कर अन्य से उसके त्याग की अपेक्षा रखेंगे, तो शायद वह इतना प्रभावी नहीं होगा। यह तथ्य आईआईटी गोल्डमेडलिस्ट राजीव दीक्षित और उज्जैन के स्वर्गीय अरुण ऋषि ज्यादा जानते हैं, हम उनकी मौजूदगी प्रतिपल इर्द-गिर्द महसूस करते रहे हैं। इसका यह अभिप्राय नहीं कि इससे चेतन सिंह सोलंकी का योगदान उनसे कमतर है। उनके इस ईश्वरीय कार्य के प्रति एकान्तनिष्ठा से पूरा विश्व नतमस्तक है, जिसके लिए हमारा कर्तव्यबोध अनिवार्य है। ठीक उसी तरह जिस तरह एक घायल पक्षी के संरक्षण के लिए राजा शिबि ने उस वधिक को अपने शरीर का कतरा-कतरा समर्पित कर दिया था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

कैप्टन अमरिंदर के कांग्रेस छोड़ने के एलान से पंजाब के नेताओं को चिंता, कहीं गिर न जाए चन्नी सरकार

कैप्टन अमरिंदर सिंह के कांग्रेस छोड़ने के एलान के बाद पंजाब के नेता चिंतित है। पंजाब के कई बड़े कांग्रेस नेताओं को इस बात की अंदेशा है कि कैप्टन अपने साथ पार्टी के दो दर्जन विधायकों को तोड़ सकते हैं। ऐसे में चन्नी सरकार गिर सकती है।

चंडीगढ़ (एजेंसी)
पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के कांग्रेस को छोड़ने के बयान ने पंजाब के कांग्रेसियों में चिंता पैदा कर दी है। कई वरिष्ठ नेताओं को चरणजीत सिंह सरकार के लिए भी खतरे का अंदेशा है।

इन नेताओं का मानना है कि कहीं कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ दो दर्जन विधायक न चले जाएं। यदि ऐसी नौबत आती है तो पंजाब में सरकार के गिरने और राष्ट्रपति राज लगने का खतरा पैदा हो सकता है। बताया जाता है कि इस चिंता को लेकर आज कई विधायकों ने सीनियर मंत्रियों के साथ जहां बैठकें कीं। इसके साथ ही कैप्टन अमरिंदर सिंह के समर्थक व उनसे जुड़ने कीविधायकों पर भी नजर रखी जा रही है। एक सीनियर विधायक ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि विधायकों में इस बात की चिंता तो है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यकाल में कुछ महीने का ही कम समय बचा है और अगर कैप्टन ऐसा कदम उठाते हैं तो पार्टी एक बार फिर से चुनाव में जाने के लिए तैयार है। उधर, पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपने ट्विटर पेज पर प्रोफाइल से कांग्रेस का नाम हटा दिया है। इस तरह कांग्रेस से अपना लंबा रिश्ता तोड़ने की ओर एक तरह से उन्होंने कदम बढ़ा दिया है। बता दें कि दिल्ली से लौटने के बाद चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीशय एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह ने फिर कहा कि वह कांग्रेस को छोड़

रहे हैं लेकिन भाजपा में नहीं जा रहे हैं। एक सवाल के जवाब में कैप्टन ने यह बताने से इन्कार कर दिया कि उनके साथ कितने विधायक जा रहे हैं। उन्होंने इतना अवश्य कहा कि जब कोई सत्तारूढ़ पार्टी बहुमत खो देती है तो फ्लोर टेस्ट करवाना स्पीकर का काम होता है। उन्होंने कांग्रेस को एक डूबता जहाज बताया और कहा कि पार्टी में वरिष्ठ नेताओं की कोई सुनवाई नहीं है, उनकी पूरी तरह से अवहेलना की जा रही है। कैप्टन ने कहा कि पंजाब के हित में उनके समक्ष जो विकल्प हैं वह अब भी उन पर विचार कर रहे हैं। उनके लिए राज्य की सुरक्षा सर्वोपरि है। उनका कहना था, 'मैं इस प्रकार का अपमान सहने के आदी नहीं हूं। मेरे सिद्धांत और मान्यताएं उन्हें कांग्रेस में रहने की इजाजत नहीं देते।' कैप्टन ने वरिष्ठ कांग्रेसजनों को विचारक की संज्ञा देते हुए उन्हें पार्टी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि युवा पीढ़ी को इस प्रकार आगे बढ़ाया जाना चाहिए कि वे वरिष्ठों द्वारा अनुभव के आधार पर तैयार किए गए कार्यक्रमों को सही तरीके से क्रियान्वित करें।

उन्होंने आगे कहा कि दुर्भाग्य है कि सीनियर लोगों की पार्टी में पूरी तरह अवहेलना हो रही है। यह पार्टी के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने दल के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल के घर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले की निंदा की। उन्होंनग कहा उनके साथ ऐसा सिर्फ इस लिए किया गया क्योंकि उन्होंने खुल कर अपने विचार रखे जो पार्टी के नेतृत्व को पसंद नहीं थे। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर ने कहा, पंजाब की जनता राज्य के भविष्य के लिए वोट करेगी। उनका कहना था कि उनका अनुभव बताता है कि चुनाव में चाहे जितनी भी पार्टियां खड़ीं हों राज्य की जनता सदा ही 'सिंगल पार्टी/फोर्स' के लिए ही वोट करती है। उन्होंने कहा कि पंजाब में कुप्रशासन की स्थिति में पाकिस्तान को प्रदेश तथा देश में मुसीबतें पैदा करने का मौका मिलेगा।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल से आज सुबह उनकी जो मुलाकात थी वह इन्हीं मुद्दों को लेकर थी। नवजोत सिद्धू पर अपनी राय को पुन- दोहराते हुए कैप्टन अमरिंदर ने कहा कि वह सिर्फ मजमा लगा सकता है। उसे ये कतई नहीं पता कि टीम को साथ लेकर कैसे चला जाता है। उनका कहना था कि वह स्वयं पार्टी अध्यक्ष रहे हैं और कई प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के साथ काम भी कर चुके हैं। उन्होंने हरदम सारे मामले बिना किसी ड्रामेबाजी के आपसी बातचीत के जरिए सौहार्दपूर्ण माहौल में ही निपटाए।

एक नज़र

चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल में सुरंग बनाकर भागने वाले आरोपित आतंकी जगतार सिंह हवारा पर आरोप तय

चंडीगढ़ (एजेंसी) चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल से लगभग 17 साल पहले सुरंग बनाकर साथियों संग भागने मामले में जगतार सिंह हवारा पर वीरवार को जिला अदालत में आरोप तय कर दिए। अब इस मामले में आरोपित हवारा के खिलाफ केस का ट्रायल शुरू होगा। 21/22 जनवरी 2004 को हवारा, भ्यौरा, तारा और हत्या केस में एक और दोषी देवी सिंह करीब 94 फीट लंबी सुरंग खोदकर फरार हो गए थे। हवारा और भ्यौरा को दो साल बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि तारा को उसी साल थाईलैंड से गिरफ्तार किया गया था। जेल अधिकारियों सहित कुछ आरोपितों पर जेल ब्रेक में लापरवाही और सहयोग का आरोप भी लगा था।

इन्हें बैरक नंबर-7 में रखा गया था। यहां उन्होंने जेल प्रशासन से कुछ सुविधाएं देने की मांग की थी, लेकिन वह उपलब्ध न करवाने पर सभी भूख हड़ताल पर बैठ गए थे। बाद में प्रशासन ने उन्हें सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। इनमें जिम का सामान भी शामिल था।सुरंग खोदने के लिए सभी आरोपितों ने वेट लिफ्टिंग रॉड का इस्तेमाल किया था। इसके अलावा भी कई अन्य तरह के औजार खुदाई वाली जगह से मिले थे। इन सभी का इस्तेमाल सुरंग खोदने में किया गया था। आतंकी हवारा की ओर से बैरक के अंदर की गतिविधियों को पूरी तरह से गुप्त रखा जाता था। बैरक में पानी की तेज आवाज के बीच सुरंग खोदने की आवाज दबाई जाती थी।

यही नहीं जेल ब्रेक के गुप्त मिशन को अंजाम देने के लिए हवारा, भ्यौरा, तारा सभी कोड में बात करते थे। 31 अगस्त, 1995 को पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह की पंजाब सिविल सचिवालय भवन के पास बम ब्लास्ट में हत्या कर दी गई थी। इस ब्लास्ट में 17 अन्य लोगों की भी मौत हुई थी। केएलएफ के दिलवार सिंह जयसिंहवाला ने यह आत्मघाती हमला किया था। मामले में बब्बर खालसा इंटरनेशनल के सदस्य जगतार सिंह हवारा, परमजीत सिंह भ्यौरा, जगतार सिंह तारा को गिरफ्तार किया था। तीनों बुड़ैल जेल में बंद थे। जेल से फरार होने के बाद तीनों कैदियों को पुलिस पकड़ चुकी है। वहीं जेल ब्रेक में लापरवाही बरतने वाले जेल कर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ सेक्टर-34 पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था।

चिकित्सक से मारपीट कर एमरजेंसी में तोड़फोड़, पांच घंटे तक परेशान रहे मरीज

सोनीपत (एजेंसी) सिविल अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में एक युवक ने शराब के नशे में चिकित्सक को मारपीट कर घायल कर दिया। चिकित्सक के कक्ष में तोड़फोड़ की, जिससे कांच लगने से चिकित्सक लहूलुहान हो गया। हमलावर ने अपनी पत्नी को अधिवक्ता बताते हुए चिकित्सक को नौकरी से निकलवाने की धमकी दे डाली। चिकित्सकों को हमलावर को नियंत्रित करने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा। मौके पर पहुंची पुलिस ने हमलावर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मारपीट से नाराज चिकित्सकों ने आपातकालीन सेवाओं का बहिष्कार कर दिया।

जिससे पांच घंटे तक मरीज परेशान रहे। चिकित्सा और पुलिस अधिकारियों की बैठक के बाद रात में एक बजे से आपातकालीन वार्ड में काम शुरू किया गया। सिविल अस्पताल के चिकित्सक डा. संदीप मलिक ने पुलिस को बताया कि 30 सितंबर की रात को उनकी एमरजेंसी में ड्यूटी थी। रात में करीब आठ बजे एक व्यक्ति और महिला एमरजेंसी में पहुंचे। उक्त युवक ने गेट पर गार्ड से धक्का-मुक्की और मारपीट की औरी जबरदस्ती अंदर कक्ष में चला आया। उस समय वह एक मरीज का मेडिकल कर रहे थे। युवक आते ही उनकी सीट पर बैठ गया और पहले अपनी पत्नी का मेडिकल करने की मांग की। उन्होंने युवक ने पांच मिनट बैठने को कहा। उससे कहा कि जिस मरीज को पहले से देख रहे हैं, उसका उपचार करने दो।

उसके बाद आपकी पत्नी को देखते हैं। यह सुनते ही युवक आक्रामक हो गया और मारपीट शुरू कर दी। उसने धक्का-मुक्की और हाथापाई करने के साथ ही कक्ष की खिड़कियों को तोड़ना शुरू कर दिया। कांच लगने से डा. संदीप लहूलुहान हो गए। उक्त युवक ने चिकित्सक को बचाने का प्रयास करने पर अन्य स्टाफ से भी बदसलूकी और मारपीट की। उसने चिकित्सक को जान से मारने और नौकरी से हटवाने की धमकी दी। इस पर चिकित्सकों ने पुलिस को सूचना दी। लगातार काल करने के बावजूद करीब आधे घंटे तक पुलिस नहीं पहुंची। इससे चिकित्सक नाराज हो गए और हड़ताल पर चले गए। मारपीट करने और हड़ताल पर चले जाने की सूचना मिलते ही सीएमओ और पीएमओ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरे मामले की जानकारी उपायुक्त को दी।

इस दौरान अस्पताल में पहुंची पुलिस ने हंगामा करने, मारपीट और तोड़फोड़ करने के आरोपित युवक को हिरासत में ले लिया। पुलिस और स्वास्थ अधिकारियों के बीच हुई बैठक के बाद रात में एक बजे से स्वास्थ्य सेवाएं शुरू हो सकीं। अधिकारियों ने निर्णय लिया है कि अब आपात कक्ष पर दिन और रात में पुलिस की दो टीम सुरक्षा ड्यूटी पर रहेंगी। मारपीट करने वाले युवक का नाम अजीत पुत्र सुमित बताया गया है। वह टीडीआइ कुंडली का रहने वाला है। वह शराब के नशे में था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। घायल चिकित्सक का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

नल में नहीं आ रहा था पानी,टंकी में देखा तो पड़ा था किशोरी का शव

यमुनानगर (एजेंसी) जगाधरी की शांति कालोनी में आज सुबह घर की छत रखी पानी की टंकी में 17 वर्षीय तन्नु का शव मिला। परिजनों ने सुबह नल खोला तो उसमें पानी नहीं आ रहा था। उन्होंने टंकी के अंदर देखा तो उसमें पानी भरा हुआ था। पानी के अंदर तन्नु का शव पड़ा था। शव मिलने की बात सुनकर आसपास काफी संख्या में लोग वहां पर एकत्रित हो गए। किसी ने किशोरी की हत्या कर शव को टंकी में डाला है या फिर उसने खुद सुसाइड किया है इसका पता अभी तक नहीं चला है। फिलहाल पुलिस धारा 174 के तहत मामले की जांच कर रही है।

शांति कालोनी निवासी सुमन ने बताया कि वह घर की छत पर बने कमरों में पति व बच्चों के साथ रहती है। जबकि नीचे वाले कमरे में उसकी बहन रहती है। वह फैक्ट्री में काम करके परिवार का गुजारा करते हैं। रात करीब 12 बजे तक वह तन्नु के साथ बहन के कमरे में टीवी देख रखी थी। अक्सर तन्नु रात को बहन के घर भी सो जाती थी। रात 12 बजे वह तो टीवी देख कर छत पर बने कमरे में सोने के लिए चली गई। उसने सोचा की तन्नु नीचे ही सोई हुई है।

सुबह उसने छत से आवाज लगाई तो उसकी बहन ने बताया कि तन्नु तो नीचे नहीं है। वह रात को ही छत पर चली गई थी। लेबर तबका होने के कारण परिवार के पुरुष सुबह ही फैक्ट्रियों में अपने काम पर चले जाते हैं। उनके जाने के बाद सुमन की बहन ने नल खोल तो उसमें पानी नहीं आ रहा था। उसने टूलूपंप चलाया तो पानी टंकी से बाहर निकलने लगा। वह हैरान रह गए कि टंकी भरी हुई है लेकिन नल में पानी नहीं आ रहा।

टंकी चौबारे के ऊपर बने कमरे की छत पर रखी थी। जहां चढ़ने के लिए बांस की सीढ़ी लगाई हुई थी। उसकी बेटी ज्योति टंकी को देखने के लिए छत पर गई तो देखा कि टंकी का आधा ढक्कन खुला था। उसने टंकी में झांक कर देखा तो उसमें तन्नु का शव पड़ा हुआ था। शव देखते ही ज्योति ने शोर मचा दिया। मृतका की मां सुमन का कहना है कि उसके परिवार की तो किसी से रंजिश भी नहीं है।

वह रात को यही सोचती रही कि तन्नु नीचे उसके बहन के पास सो रही है। तन्नु की हत्या कोई क्यों करेगा, उनकी समझ में नहीं आ रहा। बूड़िया चौकी इंचार्ज गुरदयाल सिंह का कहना है कि परिजनों ने किसी पर हत्या का आरोप नहीं लगाया है और न ही उनकी किसी से रंजिश है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम कराएगी। फिलहाल 174 के तहत कार्रवाई कराई जा रही है।

हरीश रावत का अमरिंदर पर हमला, कहा- किसी का मुखौटा बन रहे कैप्टन, कांग्रेस ने पूरा सम्मान दिया

चंडीगढ़ (एजेंसी)
पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश रावत ने पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर जमकर हमला कर दिया। हरीश रावत ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर किसी का मुखौटा बन रहे हैं। उनका कद भाजपा का मुखौटा बनने लायक नहीं है। कांग्रेस ने उनका अपमान नहीं किया बल्कि पूरा मान-सम्मान दिया है।

कैप्टन अपने शब्दों पर गौर करें। हरीश रावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह की बातों को पार्टी ने हमेशा माना और उनका सम्मान किया। पंजाब में जो परिवर्तन किया है वह पार्टी के हितों को ध्यान में रखकर किया गया। पंजाब में यह धारणा हो गई थी कि कैप्टन अमरिंदर सिंह अकालियों के करीबी हैं और इसी कारण सवाल उठ रहे थे।

बता दें कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने वीरवार को कांग्रेस छोड़ने की बात कही थी। उन्होंने कांग्रेस द्वारा अपमानित करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि मैं अपमान नहीं झेल सकता। इससे पहले कैप्टन ने बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शर्मा और वीरवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की थी। पंजाब में सीएम पद से कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफे और नए मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के शपथ लेने के बाद पंजाब कांग्रेस व कैप्टन के बारे में हरीश रावत का पहला बयान है। उन्होंने कहा कि इस बात में कोई सच्चाई नहीं है कि कांग्रेस ने कैप्टन अमरिंदर सिंह का अपमान किया। कैप्टन अमरिंदर सिंह के ताजा बयानों से लग रहा है कि वह कुछ दबाव में हैं। उनको अपने कदमों पर दोबारा विचार करना चाहिए।

कैप्टन सीधे या परोक्ष रूप से भाजपा की मदद न करें। हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस ने उनके मान सम्मान के लिए सब कुछ किया। पंजाब में पार्टी ने अब तक जो किया है वह कैप्टन अमरिंदर सिंह के सम्मान और सम्मान की रक्षा और 2022 के विधानसभा चुनाव पार्टी की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए किया है। हरीश रावत ने कहा कि मैंने पूरे प्रकरण के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह से बात करने की तीन बार कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हुआ। कैप्टन को पार्टी ने दो बार सीएम बनाया गया।

पार्टी ने कैप्टन अमरिंदर की कभी बेअदबी नहीं की। कैप्टन अमरिंदर सिंह के मुख्यमंत्री काल में बेअदबी मामले की कोर्ट में ठीक से पक्ष नहीं रखा गया। इसके साथ ही कई मुद्दे थे। यही कारण है कि पार्टी ने नेतृत्व में परिवर्तन किया गया। हरीश रावत ने कहा कि पंजाब के सारे मसले सुलझा लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भावुकता में लोग कई बातें कह जाते हैं। हो सकता है कि कैप्टन ने भी ऐसा ही किया, लेकिन उनको अपने शब्दों पर गौर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैप्टन जो आरोप लगा रहे हैं कि वे उचित नहीं हैं।

देवीलाल व चौटाला के गढ़ में कमल खिलाने को भाजपा ठोंकेगी ताल

चंडीगढ़ (एजेंसी)
हरियाणा में ऐलनाबाद विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में राजनीतिक दलों के बीच जमकर घमासान होने वाला है। पूर्व उपप्रधानमंत्री देवीलाल और पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के गढ़ भाजपा कमल खिलाना चाहती है। इसके लिए उसने गठबंधन के साथी जजपा के साथ मलिकर खास रणनीति तैयार की है। इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला के तीन कृषि कानूनों के विरोध में इस्तीफा देने से खाली हुई इस सीट पर भाजपा-जजपा गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उम्मीदवार भाजपा का होगा, लेकिन इसकी औपचारिक घोषणा होनी बाकी है। 2019 के चुनाव नतीजों के आधार पर भाजपा ऐलनाबाद में अपना उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारने जा रही है।

उम्मीदवार के नाम पर फैसला लेने के लिए भाजपा ने तीन अक्टूबर को प्रांतीय चुनाव समिति की बैठक बुलाई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को जिस तरह सिरसा जिले के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में मंथन हुआ तथा चुनाव प्रभारियों की जिम्मेदारी तय कर दी गई, उसे देखकर साफ लग रहा कि ऐलनाबाद की सीट पर भाजपा ही चुनाव लड़ेगी। जब तक घोषणा नहीं हो जाती, तब तक जननायक जनता पार्टी भी ऐलनाबाद सीट पर अपनी दावेदारी बरकरार रखे हुए है, लेकिन 2019 के चुनाव में यहां भाजपा उम्मीदवार पवन बैनीवाल को 45 हजार वोट मिले थे। जजपा उम्मीदवार ओपी सिहाग को मात्र साढ़े छह हजार वोट मिले थे और वह अपनी जमानत जब्त करा बैठे थे। पवन बैनीवाल अब कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। इसलिए भाजपा को ऐलनाबाद में नए उम्मीदवार पर दांव खेलना पड़ेगा। यह भी संभव है कि भाजपा अपने चुनाव चिन्ह पर जजपा की पसंद का कोई उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतार दे। यह स्थिति तब बनेगी, जब भाजपा के उम्मीदवार के नाम पर सहमति नहीं बन पाएगी। भाजपा की ओर से टिकट के प्रबल दावेदारों में ताऊ देवीलाल के सबसे छोटे बेटे स्व. जगदीश चौटाला के पुत्र आदित्य चौटाला शामिल हैं। आदित्य इस समय सिरसा भाजपा के जिलाध्यक्ष भी हैं।

प्रदेश सरकार ने उन्हें सहकारी एवं कृषि ग्रामीण विकास बैंक का चेयरमैन बनाया था। देवीलाल के परिवार से होने का लाभ आदित्य चौटाला को मिलने की संभावना है। भाजपा महिला विंग की पूर्व जिलाध्यक्ष एवं ऐलनाबाद ब्लाक समिति की सदस्य रह चुकी नताशा सिहाग भी टिकट के दावेदारों में शामिल है। उनका सामाजिक कनेक्ट काफी बना हुआ है। हरियाणा लोकहित पार्टी (हलोपा) के टिकट पर सिरसा से एकमात्र विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल कांडा के छोटे भाई गोबिंद कांडा भी भाजपा से टिकट चाहते हैं। गोपाल कांडा ने भाजपा को बिना शर्त समर्थन दे रखा है, लेकिन गोबिंद के नाम पर भाजपा कितनी सहमत हो पाती है, यह देखने वाली बात है। ऐलनाबाद की सीट यदि जननायक जनता पार्टी के खाते में आई तो यहां इनसो अध्यक्ष व दुष्यंत चौटाला के छोटे भाई दिग्विजय चौटाला को टिकट का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

सुनील जाखड़ के नए ट्वीट से बड़ा इशारा, कैप्टन की अमित शाह से मुलाकात पर लिखा- कुछ तो मजबूरियां रही होंगी

चंडीगढ़ (एजेंसी) पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने ट्वीट कर बड़ा इशारा किया है। जाखड़ को हटाकर ही नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश प्रधान बनाया गया था। इसके बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफे के बाद सुनील जाखड़ का नाम सबसे आगे था। विधायक दल की बैठक में 40 विधायक उनके समर्थन में थे, लेकिन सीएम पद से जाखड़ चूक गए। बहरहाल, अब कैप्टन अमरिंदर सिंह व अमित शाह की मुलाकात पर सुनील जाखड़ ने ट्वीट किया। सुनील जाखड़ ने ट्वीट में कैप्टन अमरिंदर सिंह व अमित शाह की मुलाकात की फोटो लगाई। उस पर उन्होंने बशीर बद्र का शेर लिखा है- कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं ही कोई बेवफा नहीं होता। सुनील जाखड़ के इस ट्वीट के कई मतलब निकाले जा रहे हैं। वहीं, इससे पहले तीन बजे नवजोत सिंह सिद्धू और मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी की होने वाली मीटिंग से पहले पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान सुनील जाखड़ ने नवजोत सिंह सिद्धू पर तीखा हमला किया। सुनील जाखड़ ने ट्वीट करते हुए लिखा कि अब बहुत हो गया है। सीएम की अथारिटी को बार-बार कमजोर करने की कोशिशों पर विराम लगाएं। एजी और डीजीपी के चयन पर आरोप लगाना वास्तव में परिणाम देने के लिए सीएम और गृह मंत्री की ईमानदारी/क्षमता पर सवाल उठाना है। यह समय थोड़ा पीछे हटने का है ताकि चीजें स्पष्ट हों।इससे पहले भी सुनील जाखड़ ने नवजोत सिद्धू के इस्तीफे पर ऐतराज जताया था। उन्होंने कहा था कि यह क्रिकेट का खेल नहीं है। इस पूरे एपिसोड में जिस बात से समझौता किया गया है, वह है कांग्रेस नेतृत्व द्वारा (निवर्तमान) पीसीसी अध्यक्ष पर विश्वास। उन्होंने कहा कि इसे किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता।

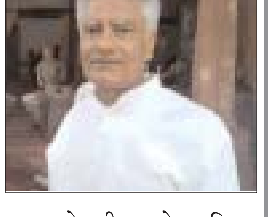

लोहा व्यापारी की गाड़ी से 12 लाख रुपये की चोरी में पुलिस को भेदी पर शक, ब्लेड से काटा गया था टायर

जालंधर (एजेंसी) वीरवार देर रात थाना डिवीजन आठ एरिया के टांडा रोड पर लोहा व्यापारी की गाड़ी से 12 लाख रुपये से भरा बैग चोरी करने के मामले में पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने शुक्रवार सुबह भी आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले और दुकानदारों से पूछताछ की। हालांकि अब तक पुलिस के हाथ कुछ खास सुराग नहीं लग सका है। पुलिस की शुरुआती जांच में हनुमान मंदिर के सामने स्थित अपनी दुकान से निश्चल गुप्ता निकलते समय गाड़ी में बैग रखते हुए दिखाई दे रहे हैं। मगर गाड़ी का पंचर बनवाने के दौरान कोई भी व्यक्ति उनकी गाड़ी से बैग निकालता हुआ नहीं दिखाई दे रहा है। अब पुलिस की जांच की सुई किसी अंदर के व्यक्ति के शामिल होने पर घूम गई है। निश्चल गुप्ता ने पुलिस को बताया था कि जब वह अपनी दुकान से गाड़ी लेकर चले थे तो पैसों का बैग उनकी गाड़ी में मौजूद था रास्ते में वह देवी तालाब मंदिर से करीब 50 मीटर की दूरी पर एक पंचर बनवाने की दुकान पर रुके हुए थे।

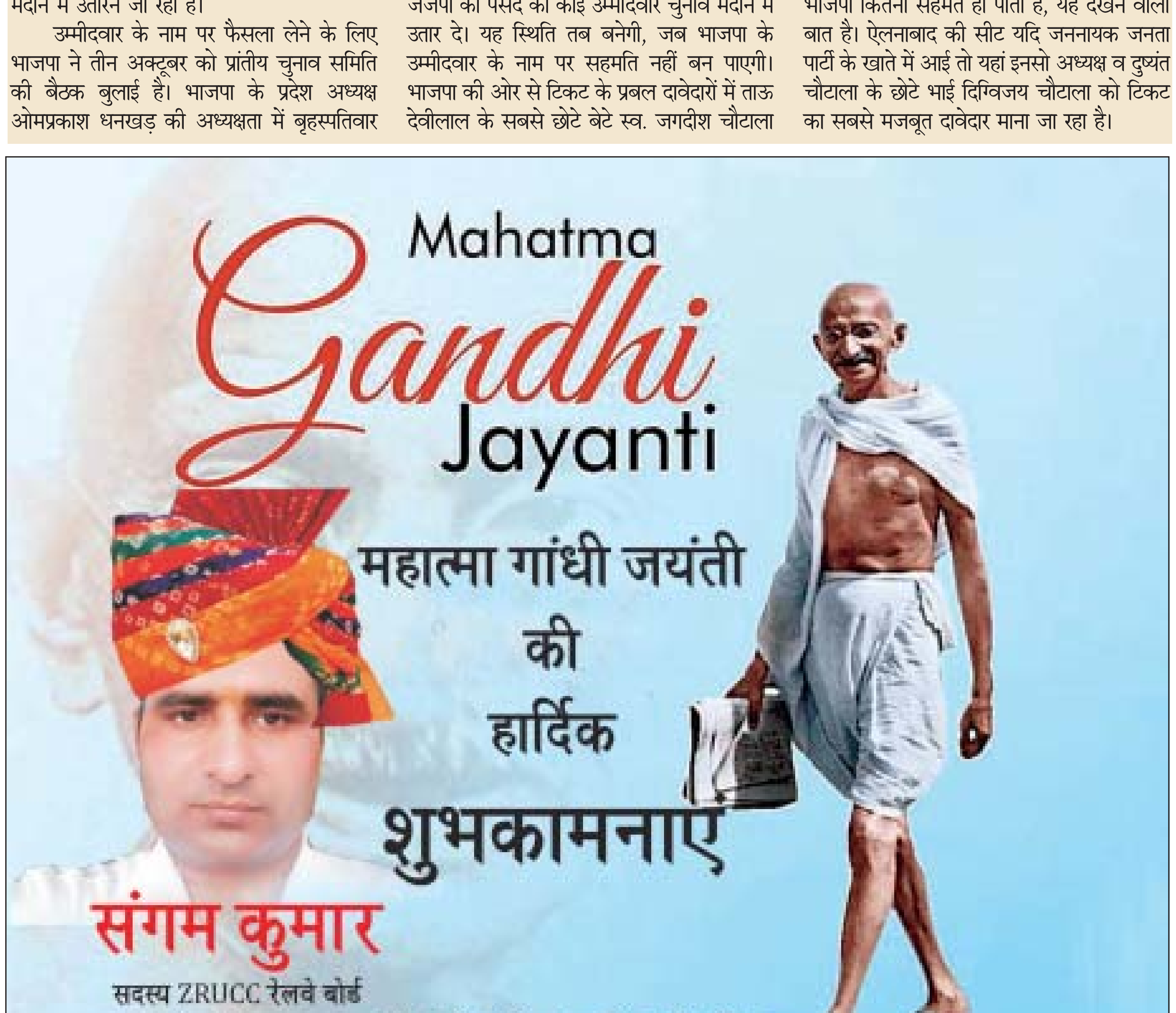

महत्वपूर्ण सूचना

रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी संख्या 14011 दिल्ली – होशियारपुर एक्सप्रेस (प्रतिदिन) के निम्नलिखित स्टेशनों की समय–सारणी में नई समय–सारणी लागू होने की तिथि से परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

14011 दिल्ली - होशियारपुर एक्सप्रेस की संशोधित समय-सारणी

स्टेशन ↓	रेलगाड़ी संख्या 14011			
	वर्तमान समय		परिवर्तित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
दिल्ली जं.	-	17:25	-	18:30
पानीपत जं.	18:35	18:37	20:46	20:48
करनाल	19:02	19:04	21:13	21:15
अम्बाला कैंट जं.	20:30	20:35	22:40	22:45
चण्डीगढ़	21:20	21:25	23:25	23:35
लुधियाना जं.	23:35	23:43	02:50	02:58
फगवाड़ा जं.	00:14	00:16	03:27	03:29
जलंधर सिटी	00:40	01:05	04:00	04:25
जलंधर कैंट	01:14	01:16	04:36	04:38
खुर्दपुर	01:33	01:35	04:53	04:55
होशियार पुर	02:10	-	05:35	-

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन, श्रेणियों एवं समय–सारणी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

रेलगाड़ियों और रेलवे स्टेशनों पर कोविड–19 से संबंधित राज्य एवं केन्द्र सरकार के सभी नियमों और सभी सावधानियों का पालन करना अनिवार्य है।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट :– www.railmadad.indianrailways.gov.in देखें एवं रेलमदद ऐप डाउनलोड करें।

2204/21

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नज़र

तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर कसा तंज,बोले- नीचे से टॉप करने पर बिहार सरकार को बधाई

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार एक्टिव रहते हैं। नेता प्रतिपक्ष बिहार सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। जातीय जनगणना का मद्दा हो या फिर बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की, तेजस्वी यादव दोनों मुद्दों को लेकर मुखर हैं। इस बीच अब तेजस्वी को एक और मुद्दा हाथ लग गया है। तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को ट्वीट कर फिर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने तंज कसते हुए बिहार सरकार को बधाई दी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार को एक बार फिर से बिहार सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट कर नीतीश सरकार पर कटाक्ष किया है। तेजस्वी ने नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एक ग्राफिक्स ट्वीट किया है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है नीचे से नंबर वन आने पर बिहार सरकार को बधाई। तेजस्वी ने इस ट्वीट के जरिए डबल इंजन की सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने लिखा है कि सूबे में 40 में से 39 सांसद एनडीए के होने के बाद भी बिहार के जिलों में सबसे कम बेड हैं। यहां एक लाख की आबादी पर केवल छह बेड की ही व्यवस्था है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बिहार सरकार पर लगातार हमालावर हैं। जातीय जनगणना पर केन्द्र सरकार के स्टैंड के बाद उन्होंने इसे पार्टी का मुद्दा बना लिया। इसको लेकर विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए चिट्ठी भी लिखी थी। किसानों की समस्या को लेकर उनकी तरफ से सीएम नीतीश कुमार को पत्र भी लिखा गया था और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सर्वदलीय नेताओं की पीएम नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की मांग की थी।

नवादा में आइएएस अधिकारी दीपक कुमार के घर पर गोलीबारी, भाई थे निशाने पर

कौआकोल (नवादा) (एजेंसी)। राज्य के वन विभाग के प्रधान सचिव दीपक कुमार के नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के छबैल गांव स्थित घर पर गुरुवार की शाम गोलीबारी की गई। हमलावर के निशाने पर प्रधान सचिव के भाई अर्जुन प्रसाद वीर थे। वे हमले में बाल-बाल बच गए। गोलीबारी करने वाला बदमाश गांव का ही कारू राम बताया गया है। घटना को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गया। प्रधान सचिव के भाई पूर्व प्रधानाध्यापक अर्जुन प्रसाद वीर ने बताया कि शाम 5 बजे के करीब कारू राम ने गोलीबारी की। इस घटना में सभी बाल-बाल बच गए। उन्होंने कहा कि पूरी घटना सीसीटीवी में कैद है। गोलीबारी करने के बाद आरोपित अपाची मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। थानाध्यक्ष ने लिखित आवेदन देने को कहा है। अर्जुन प्रसाद ने कहा है कि उनका तथा उनके परिवार की जान पर खतरा है। उन्होंने जिला पुलिस कप्तान से जानमाल की सुरक्षा की मांग की है। हमलावर कारू राम पूर्व से हत्या के मामले में फरार चल रहा है। जलवाहक रामवरण ठाकुर की हत्या में वह आरोपित है। इधर, एसडीपीओ पकरीबरावां मुकेश कुमार साहा ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना को एक दिन पूर्व संपन्न चुनावी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। नवादा के कौआकोल थाना क्षेत्र के करमाटांड़ गांव निवासी पप्पू लाल की मोटरसाइकिल अपराधियों ने पिस्टल का भय दिखाकर छीन लिया। पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि वे छबैल गांव से लौट रहे थे। इसी बीच गांव के पास ही पूर्व से घात लगाए बैठे अपराधियों ने पिस्टल दिखाकर मोटर साइकिल को रुकवाया और मोटरसाइकिल छीनकर चलते बने। दिन दहाड़े इस घटना के बाद क्षेत्र में भारी दहशत है।

वेलेंटाइन डे के दिन लड़की ने फोन कर बुलाया था, अब आरा के तीन सगे भाइयों की उम्र जेल में कटेगी

आरा (एजेंसी)। शायद ही ऐसा कोई शख्स हो, जिसे अपनी जिंदगी में कभी किसी से इश्क नहीं हुआ हो, बावजूद इसके समाज मोहब्बत को अच्छी निगाहों से आज भी नहीं देखता। ऐसा ही एक मामला है भोजपुर जिले के आयर थाना बलिगांव का। इस गांव के छात्र अंकित की हत्या के मामले में कोर्ट ने तीन सगे भाइयों को उम्रकैद की सजा सुना दी है। पूरा मामला जानकर आप मोहब्बत करने से पहले सोचेंगे तो वैसे लोग भी जिन्हें मोहब्बत पसंद नहीं है। इस मामले में प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह विशेष न्यायाधीश हर्षित सिंह ने गुरुवार को आरोपित अनिल कुमार यादव एवं उसके दो भाइयों धनजी यादव व जितेन्द्र कुमार यादव को सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके अलावा 65- 65 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक सत्येन्द्र सिंह दारा ने बहस किया। तीनों सजायाफ्ता आरोपी बलिगांव गांव के निवासी है। बताया जाता है कि आयर थाना क्षेत्र के बलिगांव गांव निवासी पिन्टू बैठा ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वेलेंटाइन -डे 14 फरवरी 2020 को उसका बेटा अंकित कुमार मोबाइल लेकर शौच के लिए गया था। फिर वापस नहीं आया था। 16 फरवरी 2020 को शव मिला था। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। अनुसंधान के दौरान पुलिस को जानकारी हुई थी कि लड़की के साथ प्रेम- प्रसंग का मामला चल रहा था। इसके बाद लड़की के परिवार वालों से पुलिस ने पूछताछ की थी तो मामला उजागर हुआ था। अनुसंधान में यह बात आई थी कि लड़की से फोन करवाकर अंकित कुमार को घर से बुलाने के बाद उसकी हत्या कर नहर के किनारे फेंक दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने बोरा में उसका शव नहर के किनारे से बरामद किया था। पुलिस ने अनुसंधान के दौरान उस लड़की समेत सात को अभियुक्त बनाया था। विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि मारा गया लड़का स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ता था और उम्र लगभग 15 वर्ष थी। उसी स्कूल में लड़की भी पढ़ती थी। दोनों में प्रेम हो गया था। विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि अभियोजन की ओर से आठ गवाहों की गवाही कोर्ट में हुई थी। कोर्ट ने 13 सितंबर 2021 को तीन आरोपियों को दोषी पाया था। जबकि, संदेह का लाभ देते हुए तीन आरोपियों को दोष मुक्त कर दिया था। लड़की को नाबालिग होने के कारण जुबेनाइल बोर्ड में भेज दिया गया था। कोर्ट में 25 सितंबर 2021 को सजा के बिंदु पर बहस हुई थी। कोर्ट ने 30 सितंबर को आरोपी अनिल कुमार यादव, धनजी यादव व जितेन्द्र कुमार यादव को दोषी पाते हुए भादवि की धारा 302/34, 201/34 तथा एससी एसटी की धारा 3(2)(वी) के तहत सश्रम आजीवन कारावास व 25 हजार अर्थदंड, तीन वर्ष के सश्रम कैद व 15 हजार रुपया अर्थदंड तथा सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

कुदरा प्रखंड में जीते हुए प्रत्याशियों को अब शपथ ग्रहण का इंतजार, पदाधिकारी ने कही ये बात

कुदरा (एजेंसी)। वर्तमान में चल रहे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जीते हुए प्रत्याशियों को अब शपथ ग्रहण का इंतजार है। चुनाव में प्रतिनिधि निर्वाचित होने के बाद अब वे शीघ्र ही अपने पद से जुड़ा कामकाज भी संभाल लेना चाहते हैं। चूंकि बड़ी संख्या में नए लोग प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित हुए हैं इसलिए उनमें शपथ ग्रहण की बेकरारी अधिक देखी जा रही है। बताते चलें कि पंचायत राज व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाले जिला परिषद सदस्य, मुखिया, बीडीसी सदस्य व सरपंच के लिए कुदरा प्रखंड में अधिकांश पुराने प्रतिनिधि चुनाव हार चुके हैं। प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित नए लोग सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था के अंग के रूप में अब जल्द अपनी सक्रियता प्रदर्शित करना चाहते हैं। उनको वोट देने वाली जनता भी शीघ्र उन्हें क्रियाशील रूप में देखना चाहती है। इस बीच जगह जगह नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के सम्मान समारोह का सिलसिला जारी है। राजनीतिक हैसियत वाले लोगों से लेकर आम जनता तक नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के अभिनंदन में जुटे हुए हैं।

इस सिलसिले में गत दिनों चिलबिली पंचायत के नाथूपुर गांव के शिक्षक समुदाय के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन कर गांव के निवासी पैक्स अध्यक्ष सुनील कुमार चौबे की मौजूदगी में नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों का सार्वजनिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के संचालनकर्ता शिक्षक अभिषेक सिंह ने बताया कि ग्रामीण जनता ने नाथूपुर गांव को नेशनल हाईवे से जोडने वाली सड़क पर गेट के निर्माण की मांग की। इसी तरह अन्य गांवों में भी ग्रामीण जनता के द्वारा नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को सम्मानित कर उनके समक्ष अपनी उम्मीदों व आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने का सिलसिला जारी है। नव निर्वाचित प्रतिनिधि भी अपनी प्राथमिकताएं बता कर वोट देने वाली जनता को संतुष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि शपथ ग्रहण होते ही जनहित में वे काम शुरू कर देंगे। लेकिन शपथ ग्रहण कब होगा इस बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है। माना जा रहा है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद अगले माह में शपथ ग्रहण होगा। इस संबंध में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी रंजीत कुमार ने बताया कि शपथ ग्रहण को लेकर अभी निर्वाचन आयोग का कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है।

दिवंगत जदयू नेता की पत्नी ने बचाई अपनी कुर्सी, खुशबू ने जीता मतदाताओं विश्वास

खगडिया (एजेंसी)। द्वितीय चरण के पंचायत चुनाव में परबत्ता प्रखंड के बंदेहरा पंचायत पर सभी की नजर थी। यहां से दोबारा निवर्तमान मुखिया खुशबू कुमारी ने विजयी परचम लहराया है। पंचायत चुनाव के पूर्व से यहां भय और दहशत का माहौल रहा है। यहां की मुखिया खुशबू कुमारी के पति व जदयू नेता राजेश कुमार रमन उर्फ पप्पू भगत की हत्या अपराधियों ने बीते वर्ष चार दिसंबर को भागलपुर में कर दी थी। इस हत्याकांड में कई सफेदपोशों का नाम सामने आया था। कई आरोपित अभी भी पुलिस पकड़ से बाहर है। मालूम हो कि पप्पू भगत भी यहां से मुखिया रहे थे। पप्पू भगत की हत्या पंचायत की राजनीति में ही की गई थी। कहा जाता है कि दबंगों को विश्वास था कि अगर पप्पू भगत को रास्ते से हटा देंगे, तो पंचायत की सत्ता पर काबिज हो जाएंगे। लेकिन पंचायत की जनता ने दबंगों को सबक सिखा दिया। खुशबू कुमारी काफी मतों से जीत हासिल की है। किनको मिले कितने मत खुशबू कुमारीः 1864 निर्मला देवीः 983 प्रीति प्रियाः 356 खुशबू देवीः 236 पूनम देवीः 84

शुक्रवार की सुबह से ही गांव की गलियों में पंचायत चुनाव को लेकर मतगणना की चर्चा में लोग उलझे रहे। बड़ी संख्या में लोग खगडिया भी गए हुए थे। जो वहां से मोबाइल के माध्यम से गांवों में पल-पल की जानकारी अपडेट कर रहे थे। मुखिया और जिला परिषद पद को लेकर लोगों में सर्वाधिक दिलचस्पी दिखी। हालांकि सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य और पंच सदस्य पद को लेकर भी जिज्ञासा देखी गई। लेकिन केंद्र में मुखिया का पद ही रहा। लोग अपने-अपने प्रत्याशियों के पक्ष में गणित का आकलन करते। जिनके प्रत्याशी जीते वे रंग-गुलाल लगाकर चौक-चौराहे से घर लौटे और जिनके हारे वे मुंह लटकाए आए। हारे हुए खासकर दूसरे स्थान पर रहे प्रत्याशियों के समर्थक इस गणना में व्यस्त दिखे, कि, किस वार्ड में वोट नहीं मिला। किसने धोखा दिया। सुबह में तो सभी अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत का दावा कर रहे थे, लेकिन शाम होते ही कहीं खुशी, तो कहीं गम का चादर पसरा दिखा। हवा में कई बातें तैरती रही। कहीं-कहीं तो तनाव भी कायम है। हालांकि सभी संवेदनशील जगहों पर पुलिस-प्रशासन की विशेष नजर है।

3-10 अक्टूबर, 2021 के बीच आयोजित किया जाएगा मिंत्रा का बिग फैशन फेस्टिवल

नई दिल्ली.ओपन सर्च

मिंत्रा ने अपने 'बिग फैशन फेस्टिवल' की लांच की घोषणा कर दी है जो कि 3 से 10 अक्टूबर के बीच आयोजित किया जाने वाला फैशन, लाइफस्टाइल और ब्यूटी प्रोडक्ट्स के लिए फेस्टिव सीजन का सबसे पसंदीदा शॉपिंग कार्निवल है। मिंत्रा इनसाइडर्स, मिंत्रा के लॉयल्टी प्रोग्राम के मेंबरों के लिए अर्ली ऐक्सेस की डेट्स 1 और 2 अक्टूबर हैं। बिग फैशन फेस्टिवल का आगामी एडिशन 7000 ब्रांड्स में से सबसे शानदार कलेक्शन लेकर आया है जो 10 लाख स्टाइल्स की अब तक की सबसे बड़ी कलेक्शन को पेश करता है और ये सब इस फेस्टिव सीजन को देश की सबसे बड़ी फैशन इवेंट्स में से एक बनाता है। यह 8 दिवसीय इवेंट खरीदारों को बीबा, डब्ल्यू, लिबास अनौक जैसे प्रसिद्ध ब्रांड्स के नवीनतम डिजाइन और स्टाइल्स, विशेष रूप से एथनिक वियर को चुनने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है जिससे खरीदार पूरा साल फेस्टिव स्पिरिट्स का मजा ले सकते हैं। मिंत्रा को उम्मीद है कि इवेंट के मौजूदा एडिशन के दौरान 55 लाख से अधिक उपयोगकर्ता खरीदारी करेंगे जिसमें 11 लाख उपयोगकर्ता इवेंट के दौरान उत्सव की अपनी जरूरतों के लिए पहली बार खरीदार करेंगे। इस बार, पहले से कहीं ज्यादा ब्रांड जैसे कि मैंगो, एचएंडएम, प्यूमा, मार्क्स एंड स्पेंसर सहित फेमस डोमेस्टिक और इंटरनेशनल ब्रांड्स की पेशकश की जा रही है, साथ ही रीजनल फेस्टिव पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है ताकि खरीदार उत्सव की अपनी खुशी को और बढ़ा सकें। एथनिक वियर के अलावा खरीदारों के पास इस बार विभिन्न ब्रांड्स और कई अन्य श्रेणियों जैसे कि किडस वियर, लेडीज वियर, घर की सजावट, घड़ियाँ और वियरेबलस, ज्वेलरी, पुरुषों के कपड़े, ब्यूटी और पर्सनल केयर, फुटवियर और गिफ्टिंग की शानदार वैल्यू पर ढेर सारे विकल्प मौजूद हैं जो उपभोगकर्ताओं को उनकी फेस्टिव खरीदारी की जरूरतों के लिए शानदार वैल्यू प्रदान करेंगे। फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल मेजर 10 लाख स्टाइल्स की अपनी सबसे बड़ी श्रेणी को पेश कर रहा है जिसने इस इवेंट के पिछले एडिशन की तुलना में ब्रांड पार्टनर्स की कुल संख्या 40त्न तक बढ़ा दी है।

बिहार के 30 हजार माध्यमिक शिक्षकों को जनवरी में मिलेंगें नियुक्ति पत्र

पटना (एजेंसी)। राज्य में 30,020 माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक नियोजन प्रक्रिया की रफ्तार धीरी पड़ गई है। इस पर पंचायत चुनाव का साफ तौर पर असर है। अब इन शिक्षकों की नियुक्ति पत्र जनवरी में दिए जाने की संभावना है। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 29 नवंबर को जिला परिषद के लिए मेधा सूची में सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण पत्रों का मिलान (जांच) होगा। उपस्थित अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण पत्र के मिलान (जांच) के आधार पर तैयार अंतिम मेधा सूची का जिला परिषद-शहरी निकाय द्वारा अनुमोदन दो दिसंबर तक होगा। नियोजन इकाई द्वारा अंतिम मेधा सूची का सार्वजनीकरण छह दिसंबर तक किया जायेगा। अनुमोदित मेधा सूची एवं रोस्टर बिंदु के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों की सूची तथा विद्यालयवार एवं विषयवार रिक्ति का जिले के एनआईसी वेबसाइट पर 10 दिसंबर तक प्रकाशन होगा।

सीतामढ़ी में बेला के खैरबा मुस्लिम टोल में पांच घरों में डाका, पुलिस कर रही जांच

सीतामढ़ी.एजेंसी

परिहार प्रखंड अंतर्गत बेला थाना क्षेत्र में एक बार फिर डकैतों ने तांडव मचाया। गुरुवार की रात हथियारों से लैस डकैतों ने बेला थाना क्षेत्र के खैरबा मुस्लिम टोल में धावा बोलकर पांच घरों को निशाना बनाया। जमकर लूटपाट की। इस दौरान अपराधियों ने करीब ढाई लाख रुपए नकद, जेवर एवं मोबाइल समेत लाखों की संपत्ति लूट ली। विरोध करने पर घर के सदस्यों के साथ मारपीट भी की। इस दौरान महिलाओं को भी नहीं बख्शा। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी पश्चिम दिशा की ओर भाग निकले। सूचना पर बेला थानाध्यक्ष सुभाष मुखिया मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। पुलिस का कहना है कि उसने रात को ही अपराधियों की तलाश भी की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। हालांकि, थानाध्यक्ष ने इसे चोरी की घटना बताया है। जानकारी के मुताबिक, अपराधियों ने सबसे पहले मवेशी व्यवसायी मंसूर उर्फ़ फेकू नट के घर को निशाना बनाया। अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर स्वजनों को बंधक बना लिया। फेकू एवं उनकी पत्नी के साथ मारपीट भी की तथा एक लाख 90 हजार रुपये नकद, दो मोबाइल एवं कुछ जेवर वगैरह लूटकर ले गए। इसके बाद अपराधी मोहम्मद ताहिर सिद्दीकी के घर में घुसे। अपराधियों ने ताहिर की पत्नी, साली एवं पुत्री के साथ मारपीट की तथा करीब 65 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल एवं जेवर लूट कर चलते बने। डकैती की तीसरी वारदात जाहिद लहेरी के घर पर हुई। चौथी मुमताज अंसारी एवं पांचवी बार में मोहम्मदीन लहेरी के घर को निशाना बनाया। सभी जगहों से लूटपाट की। डकैत आधा दर्जन से अधिक की संख्या में थे और नकाब में और हथियारों से लैस थे। डकैती की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बेला में अपराधियों ने 12 दिन में डकैती की दूसरी बड़ी घटना को अंजाम दिया है। गुरुवार की रात हथियारबंद अपराधियों ने बेला थाना क्षेत्र के खैरबा मुस्लिम टोल में एक ही रात 5 घरों में डाका डाला। इससे 12 दिन पूर्व 18 सितंबर को अपराधियों ने बेला थाना क्षेत्र के ही शिवनगर एवं नरगां गांव में डकैती की घटना को अंजाम दिया था। इस दौरान एक व्यक्ति अपराधियों के फायरिंग में गोली का छर्रा तथा एक व्यक्ति बम फटने से घायल हुआ था। जबकि दो लोगों को अपराधियों ने मारपीट कर जख्मी कर दिया था।

देश की सबसे बड़ी आंतरिक समस्या बने नक्सलियों पर हो निर्णायक प्रहार

रांची (एजेंसी)। इसी सप्ताह दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की नक्सल प्रभावित 10 राज्यों के साथ हुई बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एलान किया कि नक्सलियों के खिलाफ छिड़े युद्ध को हम जरूर जीतेंगे। बेशक उनकी इस घोषणा के दो दिन बाद ही मंगलवार को लातेहार जिले के सलैया जंगल में सुरक्षाबलों की उग्रवादी संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के साथ हुई मुठभेड़ में एक डिप्टी कमांडेट रैंक स्तर के अधिकारी की शहादत हो गई, लेकिन इससे सुरक्षाबलों के हौसले पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। पिछले कुछ सालों में केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयास से नक्सलियों के सफाए के लिए चल रहे अभियान के अच्छे परिणाम मिले हैं। अब राज्य में नक्सली कुछ हिस्सों में सिमटकर रह गए हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि दूर-दराज के गांवों से लेकर घने जंगलों के बीच बसी आबादी तक सड़क और अन्य तमाम मूलभूत सुविधाएं पहुंची हैं। राज्य सरकार ऐसे गांवों को भी चिन्हित कर रही है, जहां से दो अथवा उससे अधिक ग्रामीण किसी नक्सली संगठन से जुड़े हैं। अब इन गांवों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बिहार से अलग होकर भी झारखंड विकास के रास्ते पर सरपट नहीं दौड़ पाया है तो उसके पीछे नक्सलवाद भी बड़ा कारण रहा है। यहां की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और कई राज्यों से जुड़ी सीमाओं में घने जंगली रास्ते नक्सलियों के लिए अनुकूल साबित होते रहे हैं। कभी गरीबों की आवाज बनकर उन्हें न्याय दिलाने का दावा करने वाले नक्सलियों का दोहरा चेहरा उजागर हो चुका है। बंदूक की नोक पर लेवी वसूली करना ही उनका एकमात्र ध्येय बन चुका है। वैचारिक लड़ाई से उनका दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं। उनकी लड़ाई में आम लोगों की कोई रुचि नहीं है।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष मदन मोहन झा के घर में चोरी, पटना में खिड़की के रास्ते कमरे में घुसे थे चोर

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में चोरी की एक बड़ी वारदात ने पुलिस को परेशान कर दिया है। चोरी की यह वारदात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा के घर में हुई है, जो फिलहाल दिल्ली गए हुए हैं। कांग्रेस नेता के बेटे माधव झा ने चोरी की वारदात होने की पुष्टि की है। यह घटना पटना के हवाई अड्डा थानाक्षेत्र में हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष फिलवक्त दिल्ली में हैं। वारदात के दौरान घर में उनकी पत्नी और बेटे मौजूद थे। बेटे ने बताया कि सुबह होने पर उन्हें चोरी की जानकारी हुई। चोर खिड़की के रास्ते कमरे में दाखिल हुए और करीब दो लाख रुपए नगद के अलावा दूसरे कीमती सामान ले गए हैं। पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों को हिरासत में लिया है। आपको बता दें कि एक दिन पहले यानी गुरुवार की सुबह कंकड़बाग इलाके में बीएसएफ के एक सब इंस्पेक्टर का मोबाइल छीनकर अपराधी भाग गए थे। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष के बेटे के मुताबिक जिस कमरे में उनके पिता रहते थे, उसी कमरे में चोरी हुई है। उनके मुताबिक रात 12 बजे के बाद और सुबह 4 बजे से पहले इस वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस घर में रहने वालों के साथ ही आसपास के लोगों से भी घटना की बाबत जानकारी लेने में जुटी है। इधर, पटना सिटी में खाजेकलां थाना पुलिस ने पश्चिम दरवाजा के समीप पिस्तौल लहरा रहे एक युवक को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान बदमाश के पास से लोडेड देसी कट्टा व गोली तथा एक मोबाइल मिला। थानाध्यक्ष राहुल कुमार ठाकुर ने बताया कि बुधवार की रात सूचना मिली कि पश्चिम दरवाजा में एक युवक पिस्तौल चमकाकर दहशत फैला रहा है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने बताए गए हुलिया के आधार पर युवक की पहचान कर उसे टोका तो वह भागने लगा। पुलिस ने खदेड़कर उसे पकड़ा। पूछताछ में अपराधी की पहचान बाग पर मोहल्ले के विकास के रूप में हुई।

दो सीटों पर उलझी बिहार की सियासत, राजद-कांग्रेस में रस्साकशी, चिराग पासवान को डबल आफर

पटना.एजेंसी।

बिहार की कुशेश्वरस्थान व तारापुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं। 30 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। दो नवंबर को परिणाम सबके सामने होगा। चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही बिहार में सियासत गर्म हो गई है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) दिवंगत विधायक शशिभूषण हजारी के पुत्र अमन हजारी को कुशेश्वरस्थान से टिकट दे सकता है। वहीं तारापुर से राजीव सिंह के नाम पर मुहर लग सकती है। इस तरह से एनडीए के उम्मीदवार तो साफ हैं, मगर महागठबंधन में रस्साकशी चल रही है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने दोनों सीट पर दावा कर दिया है तो कांग्रेस ने कुशेश्वरस्थान के लिए प्रत्याशी तय करने को पांच सदस्यीय कमेटी बना दी है। कांग्रेस ने कहा है कि चिराग अगर साथ आएं तो अच्छा रहेगा। दूसरी तरफ दो दिन पहले लोजपा सांसद की राजद नेता से मुलाकात भी हो चुकी है। दरअसल, हाल ही में जमुई के लोजपा सांसद चिराग पासवान ने कहा था कि कुशेश्वरस्थान व तारापुर विधानसभा सीट पर हम अपने उम्मीदवार उतारेंगे। पार्टी सिंबल किसके पास है? इस सवाल के जवाब में चिराग ने कहा कि इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है। चुनाव आयोग को सब पता है। बुधवार को केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने बड़ा बयान देते हुए कह दिया कि लोजपा का चुनाव चिह्न बंगला भी उनका है और पार्टी भी। इसके बाद चिराग के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। हाल ही में कांग्रेस नेता मदन मोहन झा ने कहा था कि उपचुनाव में अगर चिराग उनके साथ आते हैं तो स्वागत है। वहीं दो दिन पहले राजद नेता श्याम रजक ने चिराग से मुलाकात की थी। संभावना है कि अगर पशुपति पारस के दावे के बाद चिराग लोजपा से उम्मीदवार नहीं उतार पाते हैं तो उनके पास राजद-कांग्रेस का साथ होगा। इधर, राजद के नेता लगातार बयान दे रहे हैं कि वह दोनों सीट पर अपने प्रत्याशी उतारेंगे। लालू यादव के दल का कहना है कि वह कुशेश्वरस्थान व तारापुर विधानसभा सीट जीतकर महागठबंधन के खाते में डालना चाहता है। वहीं कांग्रेस भी एक सीट पर दावा कर रही है। गुरुवार को तो कांग्रेस ने बड़ा फैसला करते हुए कुशेश्वरस्थान से प्रत्याशी चयन के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का भी गठन कर दिया है। ऐसे में दो सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए महागठबंधन के प्रत्याशी का नाम सामने आने में बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है।

महात्मा गांधी स्वतंत्र भारत के पिता

भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास कर्मचंद गांधी जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, के जन्म दिन 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वस्तुतः गांधीजी विश्व भर में उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है।

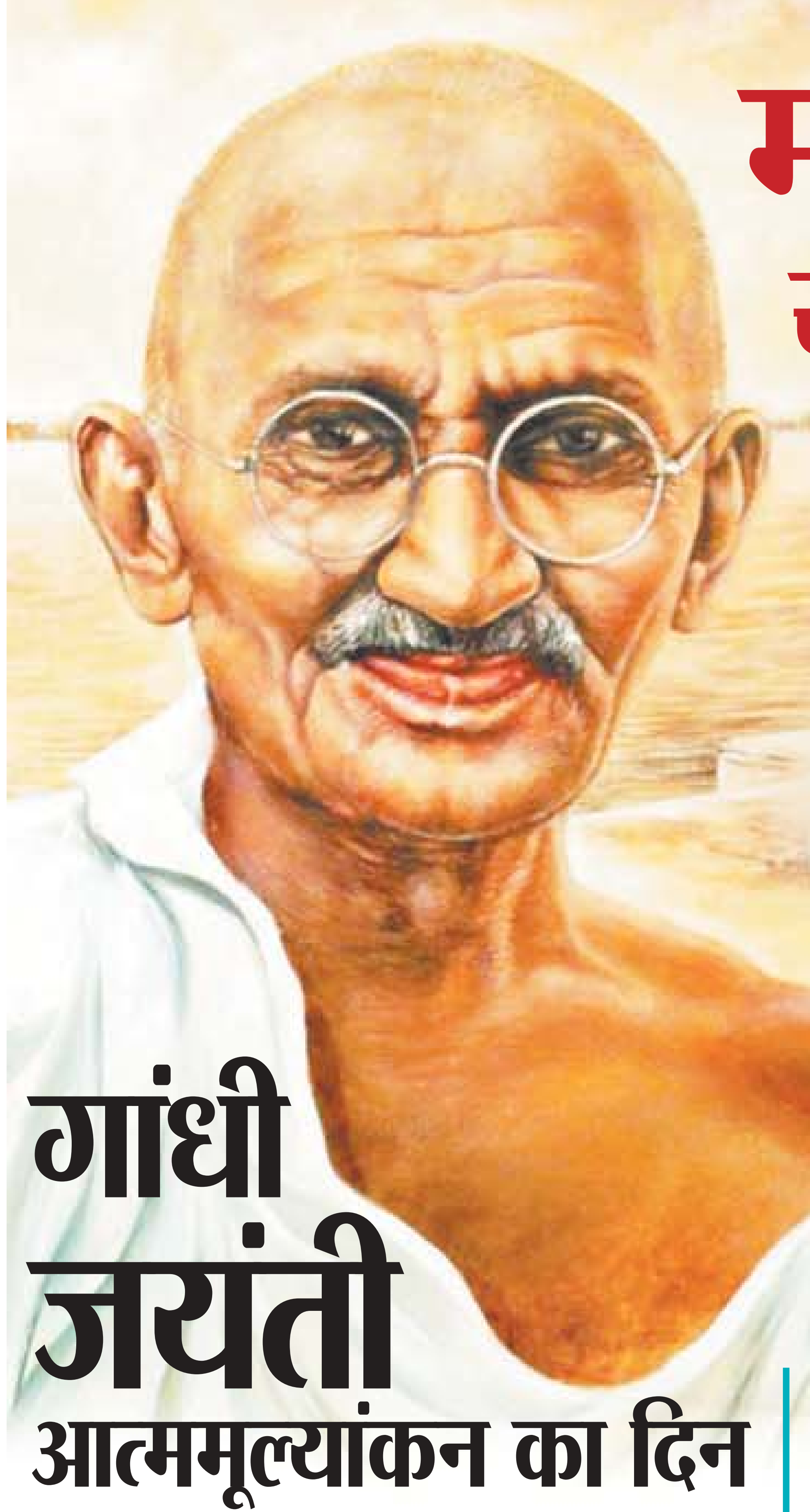

मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्तूबर 1869 – 30 जनवरी 1948) भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह – व्यापक सविनय अवज्ञा के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव संपूर्ण अहिंसा पर रखी गई थी जिसने भारत को आजादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया उन्हें दुनिया में आम जनता महात्मा गांधी के नाम से जानती है। संस्कृत: महात्मा अथवा महान आत्मा एक सम्मान सूचक शब्द जिसे सबसे पहले रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रयोग किया और भारत में उन्हें बापू के नाम से भी याद किया जाता है। उन्हें सरकारी तौर पर राष्ट्रपिता का सम्मान दिया गया है 2 अक्टूबर को उनके जन्म दिन राष्ट्रीय पर्व गांधी जयंती के नाम से मनाया जाता है और दुनियाभर में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के नाम से मनाया जाता है। सबसे पहले गांधी ने रोजगार अहिंसक सविनय अवज्ञा प्रवासी वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका, में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रयुक्त किया। 1915 में उनकी वापसी के बाद उन्होंने भारत में किसानों, कृषि मजदूरों और शहरी श्रमिकों को अत्यधिक भूमि कर और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए एकजुट किया। 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बागडोर संभालने के बाद गांधी जी ने देशभर में गरीबी से राहत दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण, आत्म-निर्भरता के लिए अस्पृश्यता का अंत आदि के लिए बहुत से आंदोलन चलाएं। किंतु इन सबसे अधिक विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाले स्वराज की प्राप्ति उनका प्रमुख लक्ष्य था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और इसके बाद 1942 में, ब्रिटिश भारत छोड़ो आन्दोलन छेडकर भारतीयों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में अहिंसा और सत्य का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिए वकालत भी की। उन्होंने आत्म-निर्भरता वाले आवासीय समुदाय में अपना जीवन गुजारा किया और परंपरागत भारतीय पोशाक धोती और सूत से बनी शॉल पहनी जिसे उसने स्वयं ने चरखे पर सूत कात कर हाथ से बनाया था। उन्होंने सादा शाकाहारी भोजन खाया और आत्मशुद्धि तथा सामाजिक प्रतिकार दोनों के लिए लंबे-लंबे उपवास भी किए।

गांधी दक्षिण अफ्रीका में (1895)

दक्षिण अफ्रीका में गान्धी को भारतीयों पर भेदभाव का सामना करना पड़ा। आरम्भ में उन्हें प्रथम श्रेणी कोच की वैध टिकट होने के बाद तीसरी श्रेणी के डिब्बे में जाने से इन्कार करने के लिए ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया था। इतना ही नहीं पायदान पर शेष यात्रा करते हुए एक यूरोपियन यात्री के अन्दर आने पर चालक की मार भी झेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी इस यात्रा में अन्य भी कई कठिनाइयों का सामना किया। अफ्रीका में कई होटलों को उनके लिए वर्जित कर दिया गया। इसी तरह ही बहुत सी घटनाओं में से एक यह भी थी जिसमें अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें अपनी पगड़ी उतारने का आदेश दिया था जिसे उन्होंने नहीं माना। ये सारी घटनाएँ गान्धी के जीवन में एक मोड़ बन गईं और विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरुकता का कारण बनीं तथा सामाजिक सक्रियता की व्याख्या करने में मददगार सिद्ध हुईं। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अन्याय को देखते हुए गान्धी ने अंग्रेजी साम्राज्य के अन्तर्गत अपने देशवासियों के सम्मान तथा देश में स्वयं अपनी स्थिति के लिए प्रश्न उठाये।

1906 के ज़ुलु युद्ध में भूमिका

1906 में, दक्षिण अफ्रीका में नए चुनाव कर के लागू करने के बाद दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला गया। बदले में अंग्रेजों ने ज़ूलू के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। गांधी जी ने भारतीयों को भर्ती करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रेरित किया। उनका तर्क था अपनी नागरिकता के दावों को कानूनी जामा पहनाने के लिए भारतीयों को युद्ध प्रयासों में सहयोग देना चाहिए। तथापि, अंग्रेजों ने अपनी सेना में भारतीयों को पद देने से इंकार कर दिया था। इसके बावजूद उन्होने गांधी जी के इस प्रस्ताव को मान लिया कि भारतीय घायल अंग्रेज सैनिकों को उपचार के लिए स्टेचर पर लाने के लिए स्वैच्छा पूर्वक कार्य कर सकते हैं। इस कोर की बागडोर गांधी ने थामी। 21 जुलाई 1906 को गांधी जी ने इंडियन ओपिनियन में लिखा कि 23 भारतीय निवासियों के विरूद्ध चलाए गए आप्रेशन के संबंध में प्रयोग द्वारा नेटाल सरकार के कहने पर एक कोर का गठन किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों से इंडियन ओपिनियन में अपने कॉलमों के माध्यम से इस युद्ध में शामिल होने के लिए आग्रह किया और कहा, यदि सरकार केवल यही महसूस करती है कि आरक्षित बल बेकार हो रहे हैं तब वे इसका उपयोग करेंगे और असली लड़ाई के लिए भारतीयों का प्रशिक्षण देकर इसका अवसर देंगे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष

1915 में, गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत में रहने के लिए लौट आएं।उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों पर अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन वे भारत के मुख्य मुद्दों, राजनीति तथा उस समय के कांग्रेस दल के प्रमुख भारतीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले जो एक सम्मानित नेता थे पर ही आधारित थे।

चंपारण और खेड़ा – गांधी की पहली बड़ी उपलब्धि 1918 में चम्पारन और खेड़ा सत्याग्रह, आंदोलन में मिली हालांकि अपने निर्वाह के लिए जरूरी खाद्य फसलों की बजाए नकद पैसा देने वाली खाद्य फसलों की खेती वाले आंदोलन भी महत्वपूर्ण रहे। जमींदारों (अधिकांश अंग्रेज) की ताकत से दमन हुए भारतीयों को नाममात्र भरपाई भत्ता दिया गया जिससे वे अत्यधिक गरीबी से घिर गए। गांवों को बुरी तरह गंदा और अस्वास्थ्यकर और शराब, अस्पृश्यता और पर्दा से बांध दिया गया। अब एक विनाशकारी अकाल के कारण शाही कोष की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी कर लगा दिए जिनका बोझ दिन प्रतिदिन बढता ही गया। यह स्थिति निराशजनक थी। खेड़ा, गुजरात में भी यही समस्या थी। गांधी जी ने वहां एक आश्रम बनाया जहाँ उनके बहुत सारे समर्थकों और नए स्वेच्छिक कार्यकर्ताओं को संगठित किया गया। उन्होंने गांवों का एक विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जिसमें प्राणियों पर हुए अत्याचार के भयानक कांडों का लेखाजोखा रखा गया और इसमें लोगों की अनुत्पादकीय सामान्य अवस्था को भी शामिल किया गया था। ग्रामीणों में विश्वास पैदा करते हुए उन्होंने अपना कार्य गांवों की सफाई करने से आरंभ किया जिसके अंतर्गत स्कूल और अस्पताल बनाए गए और उपरोक्त वर्णित बहुत सी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए ग्रामीण नेतृत्व प्रेरित किया।

असहयोग आन्दोलन – गांधी जी ने असहयोग, अहिंसा तथा शांतिपूर्ण प्रतिकार को अंग्रेजों के खिलाफ़ शस्त्र के रूप में उपयोग किया। पंजाब में अंग्रेजी फोजों द्वारा भारतीयों पर जलियावांला नरसंहार जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है ने देश को भारी आघात पहुंचाया जिससे जनता में क्रोध और हिंसा की ज्वाला भड़क उठी। गांधीजी ने ब्रिटिश राज तथा भारतीयों द्वारा प्रतिकारात्मक रवैया दोनों की की। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों तथा दंगों के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा पार्टी के आरंभिक विरोध के बाद दंगों की भर्त्सना की। गांधी जी के भावनात्मक भाषण के बाद अपने सिद्धांत की वकालत की कि सभी हिंसा और बुराई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। किंतु ऐसा इस नरसंहार और उसके बाद हुई हिंसा से गांधी जी ने अपना मन संपूर्ण सरकार आर भारतीय सरकार के कब्जे वाली संस्थाओं पर संपूर्ण नियंत्रण लाने पर केंद्रित था जो जल्दी ही स्वराज अथवा संपूर्ण व्यक्तिगत, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आजादी में बदलने वाला था।

स्वराज और नमक सत्याग्रह – गांधी जी सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे और 1920 की अधिकांश अवधि तक वे स्वराज पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच खाई को भरने में लगे रहे और इसके अतिरिक्त वे अस्पृश्यता , शराब, अज्ञानता और गरीबी के खिलाफ आंदोलन छेड़ते भी रहे। उन्होंने पहले 1928 में लौटे एक साल पहले अंग्रेजी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक नया संवेधानिक सुधार आयोग बनाया जिसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था। इसका परिणाम भारतीय राजनैतिक दलों द्वारा बहिष्कार निकला। दिसंबर 1928 में गांधी जी ने कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक प्रस्ताव रखा जिसमें भारतीय साम्राज्य को सत्ता प्रदान करने के लिए कहा

गया था अथवा ऐसा न करने के बदले अपने उद्देश्य के रूप में संपूर्ण देश की आजादी के लिए असहयोग आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहें। गांधी जी ने न केवल युवा वर्ग सुभाष चंद्र बोस तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे पुरूषों द्वारा तत्काल आजादी की मांग के विचारों को फलीभूत किया बल्कि अपनी स्वयं की मांग को दो साल की बजाए एक साल के लिए रोक दिया। अंग्रेजों ने कोई जवाब नहीं दिया। नहीं 31 दिसंबर 1929 , भारत का झंडा फहराया गया था लाहौर में है . 26 जनवरी 1930 का दिन लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के रूप में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने मनाया। यह दिन लगभग प्रत्येक भारतीय संगठनों द्वारा भी मनाया गया। इसके बाद गांधी जी ने मार्च 1930 में नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में नया सत्याग्रह चलाया जिसे 12 मार्च से 6 अप्रेल तक नमक आंदोलन के याद में 400 किलोमीटर (248 मील) तक का सफर अहमदाबाद से दांडी, गुजरात तक चलाया गया ताकि स्वयं नमक उत्पन्न किया जा सके। समुद्र की ओर इस यात्रा में हजारों की संख्या में भारतीयों ने भाग लिया। भारत में अंग्रेजों की पकड़ को विचलित करने वाला यह एक सर्वाधिक सफल आंदोलन था जिसमें अंग्रेजों ने 80,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

द्वितीय विश्व युद्ध और भारत छोड़ो – द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में जब छिड़ने नाजी जर्मनी आक्रमण पोलैंड. आरंभ में गांधी जी ने अंग्रेजों के प्रयासों को अहिंसात्मक नैतिक सहयोग देने का पक्ष लिया किंतु दूसरे कांग्रेस के नेताओं ने युद्ध में जनता के प्रतिनिधियों के परामर्श लिए बिना इसमें एकतरफा शामिल किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के सभी चयनित सदस्यों ने सामूहिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लंबी चर्चा के बाद, गांधी ने घोषणा की कि जब स्वयं भारत को आजादी से इंकार किया गया हो तब लोकतांत्रिक आजादी के लिए बाहर से लड़ने पर भारत किसी भी युद्ध के लिए पार्टी नहीं बनेगी। जैसे जैसे युद्ध बढता गया गांधी जी ने आजादी के लिए अपनी मांग को अंग्रेजों को भारत छोड़ो आन्दोलन नामक विधेयक देकर तीव्र कर दिया। यह गांधी तथा कांग्रेस पार्टी का सर्वाधिक स्पष्ट विद्रोह था जो भारतीय सीमा से अंग्रेजों को खदेड़ने पर लक्षित था। गांधी जी के दूसरे नंबर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू की पार्टी के कुछ सदस्यों तथा कुछ अन्य राजनैतिक भारतीय दलों ने आलोचना की जो अंग्रेजों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों में ही विश्वास रखते थे। कुछ का मानना था कि अपने जीवन काल में अथवा मौत के संघर्ष में अंग्रेजों का विरोध करना एक नश्वर कार्य है जबकि कुछ मानते थे कि गांधी जी पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं। भारत छोड़ो इस संघर्ष का सर्वाधिक शक्तिशाली आंदोलन बन गया जिसमें व्यापक हिंसा और गिरफ्तारी हुई। पुलिस की गोलियों से हजारों की संख?या में स्वतंत्रता सेनानी या तो मारे गए या घायल हो गए और हजारों गिरफ्तार कर लिए गए। गांधी और उनके समर्थकों ने स्पष्ट कर दिया कि वह युद्ध के प्रयासों का समर्थन तब तक नहीं देंगे तब तक भारत को तत?काल आजादी न दे दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी यह आन्दोलन बन्द नहीं होगा यदि हिंसा के व्यक्तिगत कृत्यों को मूर्त रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके चारों ओर अराजकता का आदेश असली अराजकता से भी बुरा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों और भारतीयों को अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में डू ऑर डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन बनाए रखने को कहा।

स्वतंत्रता और भारत का विभाजन

गांधी जी ने 1946 में कांग्रेस को ब्रिटिश केबीनेट मिशन के प्रस्ताव को ठुकराने का परामर्श दिया क्योकि उसे मुस्लिम बाहुलता वाले प्रांतों के लिए प्रस्तावित समूहीकरण के प्रति उनका गहन संदेह होना था इसलिए गांधी जी ने प्रकरण को एक विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में देखा। हालांकि कुछ समय से गांधी जी के साथ कांग्रेस द्वारा मतभेदों वाली घटना में से यह भी एक घटना बनी। चूंकि नेहरू और पटेल जानते थे कि यदि कांग्रेस इस योजना का अनुमोदन नहीं करती है तब सरकार का नियंत्रण मुस्लिम लीग के पास चला जाएगा। 1948 के बीच लगभग 5000 से भी अधिक लोगों को हिंसा के दौरान मौत के घाट उतार दिया गया। गांधी जी किसी भी ऐसी योजना के खिलाफ थे जो भारत को दो अलग अलग देशों में विभाजित कर दे।भारत में रहने वाले बहुत से हिंदुओं और सिक्खों एवं मुस्लिमों का भारी बहुमत देश के बंटवारे के पक्ष में था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अली जिन्ना, मुस्लिम लीग के नेता ने, पश्चिम पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत और ईस्ट बंगाल में व्यापक सहयोग का परिचय दिया। व्यापक स्तर पर फैलने वाले हिंदु मुस्लिम लड़ाई को रोकने के लिए ही कांग्रेस नेताओं ने बंटवारे की इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। कांगेस नेता जानते थे कि गांधी जी बंटवारे का विरोध करेंगे और उसकी सहमति के बिना कांग्रेस के लिए आगे बझना बसंभव था चुकि पाटर्ठी में गांधी जी का सहयोग और संपूर्ण भारत में उनकी स्थिति मजबूत थी। गांधी जी के करीबी सहयोगियों ने बंटवारे को एक सर्वोत्तम उपाय के रूप में स्वीकार किया और सरदार पटेल ने गांधी जी को समझाने का प्रयास किया कि नागरिक अशांति वाले युद्ध को रोकने का यही एक उपाय है। मज़बूर गांधी ने अपनी अनुमति दे दी।

हत्या

30 जनवरी 1948 गांधी की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे नई दिल्ली के बिड़ला भवन के मैदान में रात चहलकदमी कर रहे थे। गांधी का हत्यारा नाथूराम गौड़से हिन्दू राष्ट्रवादी थे जिनके कट्टरपंथी हिंदु महासभा के साथ संबंध थे जिसने गांधी जी को पाकिस्तान को भुगतान करने के मुद्दे को लेकर भारत को कमजोर बनाने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। गोड़से और उसके उनके सह षड्यंत्रकारी नारायण आप्टे को बाद में केस चलाकर सजा दी गई तथा 15 नवंबर1949 को इन्हें फांसी दे दी गई।

गांधी जयंती आत्ममूल्यांकन का दिन

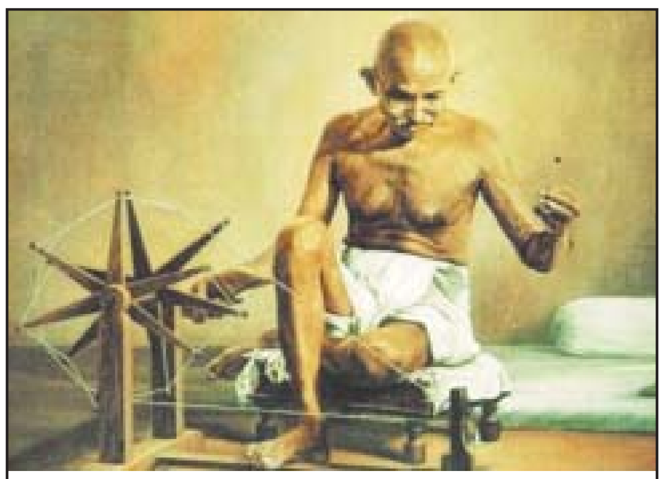

आज गांधी जयंती है। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली पुण्यतिथि के बाद धोने-पोंछने का यह पहला अवसर आया है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है, जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवधि में गांधीजी के साथ कोई नहीं होता है। कड़वी बात तो यह है कि बचे-खुचे गांधीवादी भी नहीं। वे गांधीजी का साथ दे भी नहीं सकते हैं क्योंकि जरूरतों और परिस्थितियों ने उन्हें भी सिखा दिया है कि गांधी बनने से केवल प्रताड़ना मिल सकती है, संपदा, संपत्ति नहीं। वैचारिक धरातल में यह खोखलापन एक दिन या एक माह या एक वर्ष में नहीं आ गया। जान-बूझकर धीरे-धीरे और योजनाबद्ध ढंग से गांधी सिद्धांतों को मिटाया जा रहा है क्योंकि यह मौजूदा स्वार्थों में सबसे बड़े बाधक हैं। गांधी सिद्धांतों को मिटाने की इस गतिविधि को देखा नहीं गया, ऐसा नहीं है। सब चुप हैं क्योंकि अपना-अपना लाभ सभी को चुप रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। आमतौर पर जन्मदिन या जयंती के दिन आस्था के फूल अर्पित करने की परंपरा है। इस दिन कड़वी बातों को कहने का रिवाज नहीं है। यदि इस रिवाज को तोड़ा जा रहा है, तो मजबूरी के दबाव को समझे जाने की आवश्यकता है। यह राष्ट्र नेताओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर कीचड़ उछालने की अनुमति कैसे दे रहा है, क्यों दे रहा है? यह कैसी सहिष्णुता है जो राष्ट्र की बुनियादी विचारधारा को मटियामेट करने पर आमादा है?

कहते हैं कि जो राष्ट्र अपने चरित्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, उसकी रक्षा कोई नहीं कर सकता है। क्या परमाणु बम भारतीयता की रक्षा कर पाएगा? दरअसल, यह भुला दिया गया है कि पहले विश्वास बनता है, फिर श्रद्धा कायम होती है। किसी ने अपनी जय-जयकार करवाने के लिए क्रम उलट दिया और उल्टी परंपरा बन गई। अब विश्वास हो या नहीं हो, श्रद्धा का प्रदर्शन जोर-शोर से किया जाता है। गांधीजी भी श्रद्धा के इसी प्रदर्शन के शिकार हुए हैं। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास रहा है या नहीं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। जयंती और पुण्यतिथि पर उनकी कसमें खाकर वाहवाही जरूर लूटी जा रही है। गांधीजी के विचार बेचने की एक वस्तु बनकर रह गए हैं। वे छपे शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। इसलिए ही गांधीजी की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। इस जरूरत को पूरा करने की सामर्थ्य वाला व्यक्तित्व दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। हर कोई चाहता है कि आदर्श और मूल्य इतिहास में बने रहें और इतिहास को वह पूजता भी रहेगा। परंतु अपने वर्तमान को वह इस इतिहास से बचाकर रखना चाहता है। अपने लालच की रक्षा में वह गांधी की रोज हत्या कर रहा है, पल-पल उन्हें मार रहा है और राष्ट्र भीड़ की तरह तमाशबीन बनकर चुपचाप उसे देख रहा है। शायद कल उनमें से किसी को यही करना पड़े! अपने हितों की विरोधी चीजों को इतिहास में बदल देने में भारतीयता आजादी के बाद माहिर हो चुकी है। वर्तमान और इतिहास की इस लड़ाई में वर्तमान ही जीतता आ रहा है क्योंकि इतिहास की तरफ से लड़ने वाले शेष नहीं हैं। आज गांधी जयंती है। गांधीजी की प्रतिमा के सामने आंख मूंदकर कुछ क्षण खड़े रहने वाले क्या यह पश्चाताप कर रहे होंगे कि वे गांधीजी के बताए रास्तों पर क्यों नहीं चल रहे हैं? नहीं, वे यह कतई नहीं सोच रहे होंगे। तब वे मन ही मन क्या कह रहे होंगे? सोचिए और उस पर मनन कीजिए। गांधी जयंती पर यही बड़ा काम होगा।

गांधीजी ने बजाया था सत्याग्रह का बिगुल

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद भारतवासियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए गांधी जी नेशनल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना की। पहली बार सत्याग्रह के शस्त्र का प्रयोग किया और विजय भी पाई। इस प्रकार सन्? 1914-15 में गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से वापिस भारत लौटे, तब तक इन विचारों और जीवन-व्यवहारों में आमूल-चूल परिवर्तन आ चुका था।

भारत लौटकर कुछ दिन गांधी जी देश का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेते रहे। फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी संस्था को पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य देकर संघर्ष में कूद पड़े। क्योंकि प्रथम विश्वयुद्ध में वचन देकर भी अंग्रेज सरकार ने भारतीयों के प्रति अपने रवैये में कोई परिवर्तन नहीं किया था, इससे गांधी जी और भी चिढ़ गए और अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार और सत्याग्रह का बिगुल बजा दिया। भारतवासियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले रोलट एक्ट का स्थान-स्थान पर विरोध-बहिष्कार होने लगा। सन 1919 में जलियां-वाला बाग में हो रही विरोध-सभा पर हुए अत्याचार ने गांधी जी की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। सो अब ये समूचे स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्हाल खुलम-खुल्ला संघर्ष में कूद पड़े। इनका संकेत पाते ही सारे देश में विरोधी आंदोलनों की एक

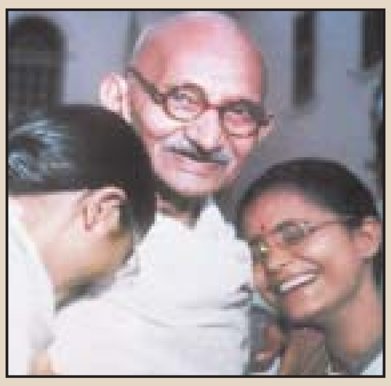

आंधी सी छा गई। अंग्रेज सरकार की लाठी-गोलियां भी अंधाधुंध बरसने लगीं। जेलें सत्याग्रहियों से भर उठीं। गांधीजी को भी जेल में डाल दिया गया। बिहार की नील सत्याग्रह, डाण्डी यात्रा या नमक सत्याग्रह, खेड़ा का किसान सत्याग्रह आदि गांधी जी के जीवन के प्रमुख सत्याग्रह हैं। इन्हें कई बार महीने-महीने भर का उपवास भी करना पड़ा। अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए इन्होंने नवजीवन और यंग इण्डिया जैसे पत्र भी प्रकाशित किए। विदेशी-बहिष्कार और विदेशी माल का दाह, मद्य निषेध के लिए धरने का आयोजन, अछूतोद्धार, स्वदेशी प्रचार के लिए चर्खे और खादी को महत्व देना, सर्वधर्म-समन्वय और विशेषकर हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए प्रचार इनके द्वारा आरंभ किए गए अन्य प्रमुख सामाजिक सुधारात्मक कार्य माने गए हैं। इस प्रकार के स्वतंत्रता दिलाने वाले प्रयासों के लिए अक्सर बीच-बीच में इन्हें जेलयात्रा भी करनी पड़तीं। सन 1931 में इग्लैंड में संपन्न गोलमेज कान्फ्रेस में भाग लेने के लिए गांधी जी वहां गए, पर जब इनकी इच्छा के विरुद्ध हरिजनों को निर्वाचन का विशेषाधिकार हिन्दुओं से अलग करके दे दिया, तो भारत लौटकर गांधी जी ने पुनः आंदोलन आरंभ कर दिया। बंदी बनाए जाने पर जब ये अनशन करने लगे, तो सारा देश क्षुब्ध हो उठा। फलतः ब्रिटिश सरकार को गांधी जी के मतानुसार हरिजनों का पृथक निर्वाचनाधिकार का हठ छोड़ना पड़ा।